राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, समालखा, हरियाणा

युगाब्द 5127, फाल्गुन कृष्ण दशमी - एकादशी, 13-15 मार्च, 2026

माननीय सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले

द्वारा प्रस्तुत

वार्षिक प्रतिवेदन 2025 - 26

राष्ट्र प्रथम का भाव, पंच परिवर्तन का स्वभाव

Rashtriya Swayamsevak Sangh

Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha, Samalkha, Haryana

Yugabda 5127, Phalguna Krishna Dashami - Ekadashi, 13-15 March, 2026

Annual Report 2025 - 26

Presented by

Mananiya Sarkaryavah Shri Dattatreya Hosabale

संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दिल्ली में 1 अक्टूबर 2025 को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्मृति सिक्का एवं डाक टिकट जारी की गई जिसमें मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, मा. सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता उपस्थित थे।

To mark the completion of 100 years of the Sangh, a commemorative coin and postage stamp were released in Delhi on October 1, 2025, at a function organized by the Ministry of Culture, Government of Bharat, in the presence of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, Man. Sarkaryavah Dattatreya Hosabale, Minister for Culture Shri Gajendra Singh Shekhawat, and Chief Minister of Delhi Smt. Rekha Gupta.

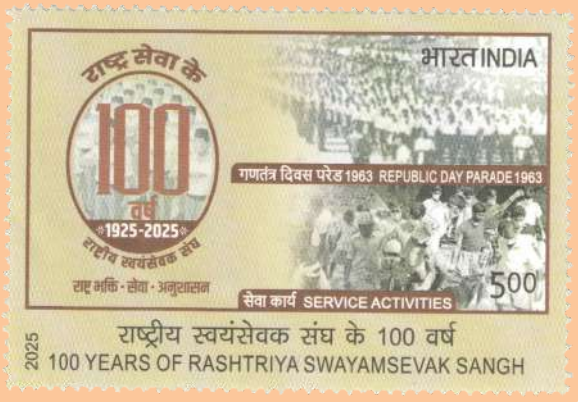

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, समालखा, हरियाणा

युगाब्द 5127, फाल्गुन कृष्ण दशमी - एकादशी, 13-15 मार्च 2026

अनुक्रम

- कार्य स्थिति 02
- प्रस्तावना 03
- परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास 04
- माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास 06
- शताब्दी वर्ष कार्यक्रम 08
  - विजयादशमी कार्यक्रम 09
  - गृह संपर्क 11
  - हिंदू सम्मेलन 11
  - सद्भाव बैठक 13
  - प्रमुख जन गोष्ठी 14
  - युवा कार्यक्रम 16
- कार्य विभाग वृत्त 18
- संगठनात्मक कार्यक्रम 20
- समाजाभिमुख कार्यक्रम 23
- प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम 26
- अखिल भारतीय बैठकें 29
- वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य 30

Content

- Introduction 32
- Tour of Param Pujaniya Sarsanghachalak Ji 33
- Tour of Mananiya Sarkaryawah Ji 35
- Shatabdi Varsh Programs 37
  - Vijayadashmi Utsav 38
  - Gruha Sampark Abhiyan 39
  - Hindu Sammelan 40
  - Samajik Sadbhav Baithak 42
  - Pramukh Jan Goshthi 43
  - Yuva Karyakram 45
- Karya Vibhag Vrutta 47
- Organisational Programs 50
- Society Oriented Activities 53
- Special Programs of Prants 57
- Akhil Bharatiya Baithaks 61
- Present National Scenario 62

कार्यस्थिति

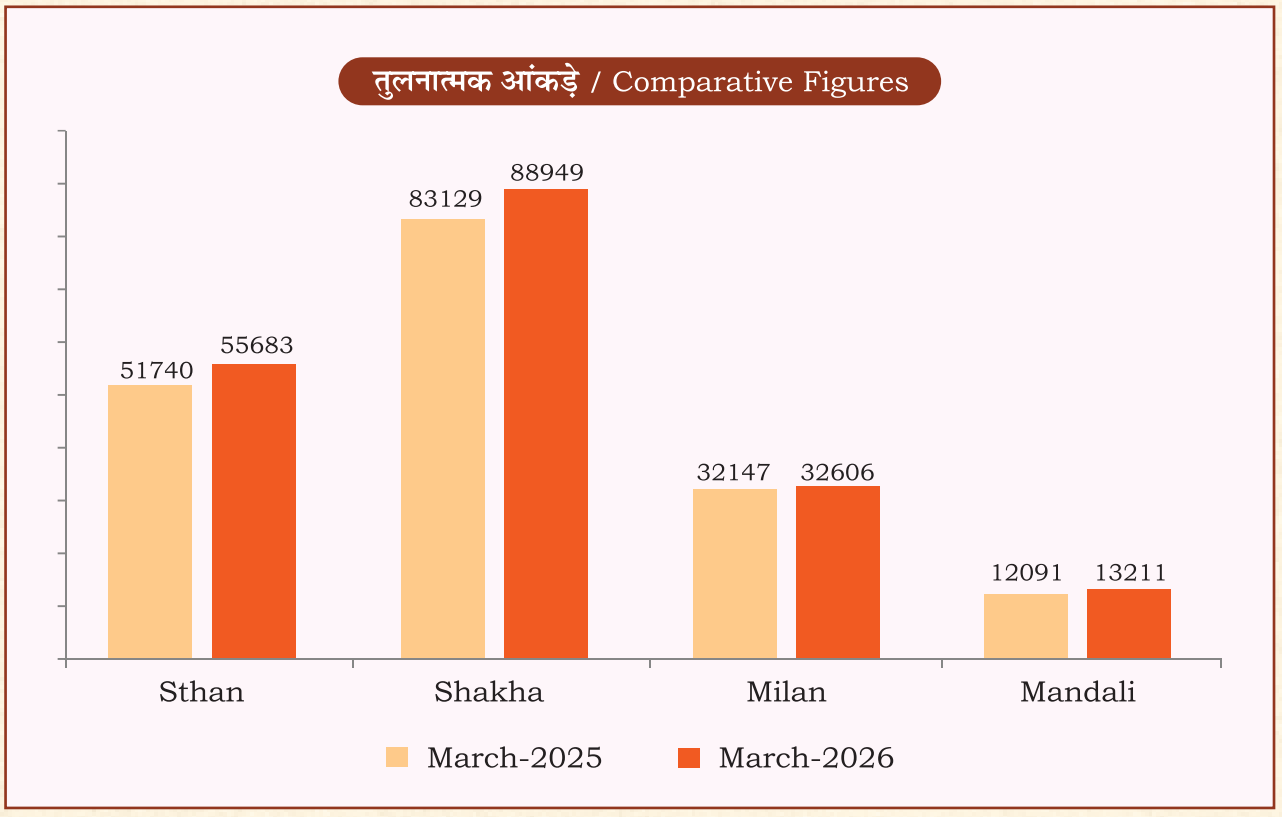

12 मार्च 2026 तक प्राप्त जानकारी के अनुसार / As on 12th March 2026

शिक्षा वर्ग संख्या (वर्ष 2025 अप्रैल- जून)				
वर्ग		कुल वर्ग	प्रतिनिधित स्थान	कुल शिक्षार्थी
संघ शिक्षा वर्ग	सामान्य	63	8812	14024
	विशेष	29	1665	2203
कार्यकर्ता विकास वर्ग - 1	सामान्य	11	2015	2401
	विशेष	11	1668	2067
कार्यकर्ता विकास वर्ग - 2	सामान्य	1	793	831

सामान्य = 40 वर्ष से कम आयु के शिक्षार्थी

विशेष= 40 - 65 वर्ष आयु के शिक्षार्थी

प्रस्तावना

परम पूजनीय सरसंघचालक जी, उपस्थित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सभी माननीय अधिकारी तथा सदस्य गण, क्षेत्रों एवं प्रांतों के मा. संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक, और क्षेत्र एवं प्रांत कार्यकारी मंडल के सभी कार्यकर्ता बन्धुओं, प्रतिनिधि सभा के समस्त प्रतिनिधि बंधु, तथा संगठन और समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में कार्यरत सभी निमंत्रित बंधु एवं भगिनी,

हरियाणा के समालखा में निर्मित इस 'ग्राम विकास एवं सेवा साधना केन्द्र' के विशाल परिसर में आयोजित युगाब्द 5127 (ई. स. 2026) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अतीव हर्ष हो रहा है। संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त अनेक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कर के हम पुन: तीन वर्षों के बाद समालखा में एकत्रित हुए हैं। आशा है कि आज से तीन दिन चलनेवाली इस बैठक के कलापों में आप सक्रिय सहभागी हो कर उसे सफल बनायेंगे। मुझे यह विश्वास है कि हम आगामी वर्ष के अनुवर्तन कार्य को यहाँ स्पष्ट रूप देंगे तथा बैठक से हम सभी को यथेष्ट ऊर्जा एवं दिशा मिलेगी।

बीते वर्ष (2025-26) में संघ द्वारा देश भर में किये गए कार्यकलापों का प्रतिवेदन को अत्यंत आनंद से इस प्रतिनिधि सभा के सम्मुख प्रस्तुत कर रहा हूँ। विगत प्रतिनिधि सभा के पश्चात् सभी प्रांतों में संघ शिक्षा वर्ग एवं कार्यकर्ता विकास वर्गों का आयोजन हुआ था। उसके बाद कार्य विस्तार के साथ साथ शताब्दी वर्ष की कार्यक्रमों की तैयारी भी शुरू हुई।

संघ शताब्दी पूर्ति पर विगत विजयादशमी के शुभ अवसर पर देश भर में अधिक संख्या में संपन्न उत्सवों के साथ ही शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम प्रारंभ हुए। इन विविध कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की व्यापक योजना एवं परिश्रम के अनुसार सर्वत्र सफलता मिली। समाज बंधुओं ने उन्हें सहर्ष तथा हृदयपूर्वक स्वागत करते हुए सहयोग दियाय समर्थन किया। संघ के निमंत्रण पर समाज के विभिन्न वर्गों - श्रेणियों के बंधु भगिनी उत्साह से सहभागी होकर कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से सम्पन्न करने में अपार योगदान दिये।

कार्यक्रमों को विकेंद्रित स्तर पर आयोजित करने से संगठन की दृष्टि से लाभ हुआ और समाज की छोटी इकाई तक पहुँचने में बड़ी सफलता मिली। गृह संपर्क के कारण संघ को दूर दूर के घर घर तक पहुँचाना हुआ तो सद्भाव बैठक और नागरिक गोष्ठी से समाज में सकारात्मक चिंतन एवं कर्तव्य जागृति का निर्माण हुआ। संघ की यात्रा को सभी जन समझते हुए राष्ट्र जीवन में संघ से अधिकाधिक अपेक्षा भी कर रहे हैं। पंच परिवर्तन के विषयों का सर्वत्र स्वागत है। संघ के बारे में जानने की तथा सामाजिक कार्यों के बारे में उत्सुकता बढ़ रही है। इसी बीच में कई लोग संघ के बारे में पुस्तक लिखे हैं, नाटक का मंचन कर रहे हैं, और फिल्में बनाये हैं। भारत सरकार की ओर से स्मृति मुद्रा और डाक टिकट भी जारी की गई। संघ के प्रति इन सब की सद्भावना तथा समर्थन के लिए मैं धन्यवाद प्रकट करता हूँ।

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के साथ नित्य के भी कार्य होते रहे हैं। इन सभी का एक संक्षिप्त वृत्त इस प्रतिवेदन में प्रस्तुत है।सभी कार्यक्रमों का विस्तृत निवेदन तो सीमित प्रतिवेदन में संभव नहीं हैय अत: उसका एक संक्षिप्त रूप यहाँ रखता हूँ।

प्रतिनिधि सभा बैठक के औपचारिक कलाप प्रारंभ करने से पूर्व एक कर्तव्य करना है। पिछले कुछ समय में अपने संगठन के कार्यकर्ता रहे ऐसे अनेक बंधुओं का निधन हो गया और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए प्रमुख व्यक्ति बंधु भगिनी जिनकी विविध कारणों से जीवन यात्रा समाप्त हुई, उन सभी की स्मृतियों को भावभीनी श्रद्धांजली समर्पित करते हुए उन दिवंगत आत्माओं की सद्गति के लिए प्रार्थना करते हैं।

परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास

- 'वर्ष 2025 - 26 यह शताब्दी वर्ष होने के कारण शताब्दी के कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए ही प्रवास की योजना बनी थी। कुल 22 प्रांतों में प्रवास हुआ। सामाजिक सद्भाव बैठक, प्रमुख जन गोष्ठी, हिन्दू सम्मेलन, समाज में प्रभावी व्यक्तियों से संवाद ऐसे कार्यक्रमों की रचना सभी प्रांतों में हुई। कुछ प्रांतो में युवा उद्यमी, शोधार्थी, जनजाति बंधु इनसे संवाद कार्यक्रम की रचना थी। संघ की 100 वर्ष की यात्रा सभी सज्जनों के सामने रखते हुए जिज्ञासा समाधान करना एवं सहभागी होने का आह्वान करना इसी उद्देश्य से सभी कार्यक्रम हुए । शताब्दी एवं अन्य कार्यक्रम निमित्त कुल 37 प्रांतों में प्रवास हुआ ।
- 'देश के 4 महानगर दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकता और मुंबई में 'संघ के 100 वर्ष-नए क्षितिज' विषय पर आधारित व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। सभी जगह समाज के प्रभावी व्यक्तियों को सूचीबद्ध कर आमंत्रित किया गया था। जिज्ञासा समाधान द्वारा संघ की भूमिका स्पष्ट करना महत्वपूर्ण रहा। दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई यहाँ विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उनसे जलपान के साथ-साथ भी संवाद हुआ। कुल 55 देशों के वैचारिक, प्रशासकीय, औद्योगिक एवं सामाजिक कार्य में सक्रिय प्रतिनिधियों का सहभाग रहा। नागपुर एवं कर्णावती में संघ के सपंर्क में आए विदेशी अतिथियों के साथ संवाद का आयोजन हुआ था।
- 'गृह संपर्क अभियान' के अंतर्गत दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से गृहभेंट में संघकार्य पर चर्चा एवं वार्तालाप हुआ। ऐसे कुछ अन्य मान्यवरों से मिलने की भी योजना रही। विविध सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई।
- अंडमान, रायपुर में सोनपैरी और देवगिरी प्रान्त में गंगापुर गाँव में आयोजित हिन्दू सम्मेलनों में जाना हुआ ।
- फरवरी में पठानकोट एवं अम्बाला में स्वयंसेवक एकत्रीकरण को सम्बोधित किया।
- आध्यात्मिक एवं धर्म जगत के विभूतियों के साथ वार्ता एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सुअवसर मिला। मुनी महाश्रमण जी, मुनी रत्नसुन्दर जी, पूरी में पू. शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती जी, आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर जी, भाग्यनगर में रामचंद्र मिशन के दाजी पटेल जी, जयपुर में योगी भावनाथ जी, प्रसिद्ध कथाकार पू. रमेशभाई ओझा जी, जगद्गुरु विश्वदेवानंद सरस्वती जी, राधा स्वामी सत्संग ब्यास के बाबाजी इन सभी से मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किये।
- 23 जुलाई को दिल्ली में हुए भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय अधिवेशन के समापन सत्र में उपस्थित रहे। 25 से 28 जुलाई केरल के कालड़ी में आयोजित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अभ्यास वर्ग में देश भर से आये विद्यापीठों के कुलगुरु एवं विविध शिक्षा संस्थाओं के प्रमुखों को सम्बोधित किया। 5 दिसंबर को समालखा में इतिहास संकलन समिती की तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन, 26 दिसंबर कों तिरुपती में विज्ञान द्वारा भारती आयोजित 'भारतीय विज्ञान सम्मलेन' के उद्घाटन सत्र में मार्गदर्शन किया। 12-13 अक्टूबर को बेंगलुरु में अखिल भारतीय महिला समन्वय बैठक में 2 दिन रहकर मार्गदर्शन किया। 6 नवम्बर, 2025 को 'इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो' में लघु उद्याजकों को संबोधित किया।
- प्रति 5 वर्ष में एक बार होने वाले विश्व संघ शिविर जो भाग्यनगर स्थित कान्हा शांति वनम में 25 से 29 दिसंबर 2025 को आयोजित हुआ उसमें 27, 28, 29 ऐसे तीन दिन रहना हुआ। शिविरार्थियों के साथ संवाद, जिज्ञासा समाधान, प्रकट समापन में सम्बोधन एवं दीक्षांत समापन में सभी शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया।
- 12 सितंबर नागपुर में ब्रह्मकुमारी परिसर भेंट एवं वर्धापन दिन समारोह में सम्बोधन, 27 सितंबर कों शंकर महादेवन जी द्वारा गायन किये गये प्रार्थना ध्वनिमुद्रण का तथा 28 सितंबर कों उन्हीं के द्वारा गायन किये संघ गीतों के अल्बम का लोकार्पण किया। 22 दिसंबर कों चंद्रपुर में टाटा कैंसर रुग्णालय का लोकार्पण किया। अक्टूबर में महाकौशल प्रान्त में मैहर माता जी के दर्शन, सतना में पुरुषोत्तम जी महाराज जी भेट एवं गुरुद्वारा लोकार्पण तथा शताब्दी वर्ष के लिए निकले कुल 370 विस्तारकों के बैठक में मार्गदर्शन किया। पश्चिम महाराष्ट्र में लोनावाला स्थित योग एवं निसर्गोपचार क्षेत्र में ' कैवल्यधाम' संस्था में भेंट, परिसर दर्शन और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन ऐसा कार्यक्रम हुआ। 10 जनवरी कों वृन्दावन में सुदामा कुटी समारोह, 22 जनवरी को चित्तौड़ प्रान्त में छोटी खाटू यहाँ तेरा पंथ मर्यादा महोत्सव में रहकर उपस्थितों को सम्बोधित किया। 5 मार्च को सौराष्ट्र प्रान्त में वढताल स्वामी नारायण मंदिर में दर्शन तथा जैतलपुर में स्वामी नारायण मंदिर के द्विशताब्दी महोत्सव में रहकर प्रमुख संत जनों से वार्ता एवं मंचिय कार्यक्रम में उपस्थितों को सम्बोधित किया। 10 फरवरी को नासिक के पास णमोकार तीर्थ कों भेंट, मंदिर लोकार्पण, मंचीय कार्यक्रम तथा स्वामी देवनंदी महाराज जी से

परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास

वार्ता हुई। 4 फरवरी कों मालवा प्रान्त के खरगोन (लेपा) में पू. परिव्राजिका विशुद्धानंद (श्रीमती भारती ताई ठाकुर) द्वारा शुरू किये गये 'निमाड़ एजुकेशन संस्था' के 'नर्मदालय' प्रकल्प को भेट दी। उद्योग वर्धिनी - सोलापुर, अणुव्रत व्याख्यानमाला - दिल्ली, गोस्वामी प्रभुपाद सम्मलेन - भुवनेश्वर, पू. राघवाचार्य जी वर्ष श्राद्ध कार्यक्रम - रैवासा, गीतार्थ गंगा - मुंबई, भागवत कथा उद्घाटन - मांडवी (नाना रतड़िया), रोटरी क्लब - नागपुर, पशु वैद्यकीय विद्यापीठ कार्यक्रम - संभाजीनगर एवं नागपुर, 12 दिसम्बर 2025 को अंदमान में सावरकर जी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम, उद्यान लोकार्पण में एवं व्हाल्युएबल ग्रुप द्वारा आयोजित 'सागरा प्राण तळमळला' कार्यक्रम में उपस्थित रहे। भवन लोकार्पण, पुस्तक विमोचन ऐसे कई धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में रहे। पूर्व सैनिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिलना हुआ।

- 25 नवम्बर को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में रहने का सौभाग्य मिला। मा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं पू. सरसंघचालक जी के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण संपन्न हुआ।
- 15 अगस्त 2025 भुवनेश्वर में उत्कल विपन्न सहायता समिति के कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर एवं 26 जनवरी 2026 को मुजफ्फरपुर में मधुकर निकेतन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रध्वज फहराकर उपस्थितों को सम्बोधित किया।

श्री राम मंदिर, अयोध्या ध्वजारोहण समारोह - 25 नवम्बर 2025

मा. सरकार्यवाह जी का प्रवास

वर्ष 2025-26 की प्रवास योजना के अंतर्गत सभी क्षेत्रों के 31 प्रांतों में प्रवास संपन्न हुआ (प्रतिनिधि सभा के पश्चात इसी माह में और 3 प्रांतों में यह प्रवास होगा)। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों हेतु प्रांत की योजनानुसार 2 से 3 दिन के प्रवास की योजना की गई। इसके अतिरिक्त अन्यान्य कार्यक्रमों समेत कुल 39 प्रांतों में जाना हुआ।

सामाजिक सद्भाव बैठक, प्रबुद्धजन गोष्ठी, हिन्दू सम्मेलन, विशिष्ट व्यक्ति - समूह संपर्क, चयनित श्रेणी संवाद आदि कार्यक्रमों में सहभाग हुआ। इन कार्यक्रमों में सर्व दूर समाज की उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखाई दी। आमंत्रितों से सामाजिक व राष्ट्रीय विषयों के संदर्भ में चिंतन, सुझाव, अपेक्षाएँ व्यक्त हुई। संघ के कार्य एवं भूमिका के बारे में सर्वत्र स्वागत और समर्थन मिलने का अनुभव आया।

इसके अतिरिक्त कार्यकर्ता बैठकें, गृह संपर्क अभियान का अनुभव कथन, स्वयंसेवक एकत्रीकरण, प्रचारक बैठकें आदि में रहना हुआ।

2 अक्टूबर, विजयादशमी पर अयोध्या महानगर के रामलला एवं अशोक सिंघल नगर के संयुक्त विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन में रहना हुआ। अयोध्या के प्रमुख संतजनों से अनौपचारिक संवाद व भेंट भी की गई।

सामाजिक सद्भाव बैठक - प्रमुख रूप से पटना, आगरा, भुवनेश्वर, कानपुर, उदयपुर, रांची, जमशेदपुर, हल्द्वानी (उत्तराखंड प्रान्त), सम्बलपुर (उड़ीसा पश्चिम प्रान्त) अगरतला में आयोजित सद्भाव बैठकों में सामाजिक नेतृत्व के मध्य वर्तमान परिस्थिति में हमारी भूमिका, पंच परिवर्तन इन विषयों के साथ अन्य प्रमुख करणीय कार्यों पर चर्चा, उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य की सूचना व सुझाव और आगामी समय में बैठकें नियमित क्रम में संपन्न हों, इस विषय पर चर्चा की गई।

जनजाति कार्य - इंदौर (मालवा प्रान्त) में जनजाति सामाजिक नेतृत्व व जबलपुर (महाकौशल प्रान्त) में जनजाति युवा नेतृत्व की बैठकें संपन्न हुई, जिनमें जनजाति क्षेत्र के विमर्श, चल रहे सकारात्मक कार्य, सुझाव व जिज्ञासा समाधान के सत्रों का नियोजन किया गया।

प्रमुख जन गोष्ठी -17 प्रांतों के 24 स्थानों पर प्रमुख जन गोष्ठी में विषय प्रस्तुति एवं जिज्ञासा समाधान हुआ।

श्रेणी संवाद - प्रांतों में विभिन्न श्रेणीयों के साथ संवाद एवं कक्ष बैठकों का आयोजन हुआ। जिसमे मुख्य रूप से

- मेरठ प्रान्त के गाजियाबाद व नोएडा महानगर में उद्योगपति, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आध्यात्मिक श्रेणी, पूर्व प्रशासनिक, न्यायिक एवं सैन्य अधिकारी, चिकित्सालय तथा उच्च शिक्षा संस्थानों के संचालक ऐसे विविध समूहों में संवाद कार्यक्रम ।
- गुजरात प्रान्त के सूरत महानगर में प्राध्यापक, बौद्ध समुदाय के प्रमुख बंधु, अनुसूचित जाति प्रमुख जन संवाद, स्वयंसेवी संस्थाओ के संचालक, युवा उद्यमियों के मध्य संवाद।
- कर्नाटक उत्तर में प्रान्त के विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापक तथा शैक्षणिक संस्थानों के संचालकों के साथ संवाद के दो कार्यक्रम संपन्न हुए।
- कानपुर व जोधपुर में मातृशक्ति के मध्य संवाद कार्यक्रम हुआ। जिसमे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मातृशक्ति की भूमिका एवं महत्त्व पर चर्चा, जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

गृह सम्पर्क - कानपुर, सूरत एवं इंदौर महानगर में गृह संपर्क अभियान में सहभाग हुआ।

हिन्दू सम्मेलन - 8 प्रांतों के 10 हिन्दू सम्मेलन (मण्डल- 5, बस्ती- 5) में सम्बोधन हुआ।

युवा कार्यक्रम - मालवा प्रान्त के इंदौर महानगर की तरुण विद्यार्थी शाखा टोली द्वारा शारीरिक प्रदर्शन, पंजाब प्रान्त के बठिंडा महानगर एवं जम्मू कश्मीर प्रान्त के उधमपुर नगर में महाविद्यालयीन व युवा एकत्रीकरण में प्रवास संपन्न हुआ।

- प्रान्त की योजना से विभिन्न स्थानों पर युवा उद्यमियों के मध्य संवाद की योजना की गई जिनमे प्रमुख रूप से बठिंडा, सूरत, मुजफ्फरपुर, काशी व प्रयागराज में संवाद संपन्न हुए।
- उदयपुर, गोरखपुर एवं जबलपुर महानगर की एक-एक महाविद्यालयीन विद्यार्थी शाखा पर प्रवास एवं इस निमित्त अधिकतम उपस्थिति दिवस रहा।
- 26 नवंबर, सप्त सिंधु फोरम द्वारा अ.भा. चिकित्सा संस्थान (एम्स), बठिंडा में युवा संवाद कार्यक्रम में समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं से संवाद किया गया।
- 24-25 जनवरी, काशी एवं प्रयागराज महानगर में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के मध्य उद्बोधन के कार्यक्रम संपन्न हए ।
- 10 फरवरी, उत्तर केरल प्रान्त के कोझीकोड में आयोजित **प्रेरणा (युवा संवाद)** कार्यक्रम में रहना हुआ। कार्यक्रम में प्रान्त के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे युवा उपस्थित थे ।
- 24-25 फरवरी, दक्षिण केरल प्रान्त के तिरुवनंतपुरम एवं एर्नाकुलम महानगर में ब्लूमिंग भारत (युवा संवाद) कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमे महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधकर्ता एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मा. सरकार्यवाह जी का प्रवास

अन्य प्रमुख कार्यक्रम –

- इस वर्ष के संघ शिक्षा वर्ग के पश्चात नये वर्ष में जनजातीय क्षेत्र की परिस्थिति की चर्चा हेतु मुंबई तथा गुवाहाटी में दो बैठकें और चंडीगढ़ में पंजाब की परिस्थिति के संबंध में एक बैठक के लिए प्रवास हुआ।
- 15 जून– दिल्ली में आचार्य सुशीलमुनि जन्म शताब्दी समारोह में उद्‌बोधन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि देश के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी रहे ।
- 26 जून – आपातकाल की 50वी वर्षगांठ पर दिल्ली में हिंदुस्तान समाचार द्वारा आयोजित सेमिनार में 'आपातकाल की त्रासदी तथा संविधान संशोधन' पर विषय रखा।
- 18–20 जुलाई– शारीरिक एवं बौद्धिक विभाग की अखिल भारतीय बैठक, व्यास, अमृतसर में भाग लिया।
- 30–31 जुलाई को तिरुपति के समीप आयोजित धर्म जागरण समन्वय विभाग की अखिल भारतीय बैठक में, 16–17 अगस्त– एकल अभियान की अखिल भारतीय बैठक कोलकाता में और 31 अगस्त– वनवासी कल्याण आश्रम के नईदिल्ली में शोध संस्थान के उद्‌घाटन कार्यक्रम में सहभाग।
- 12 सितम्बर– सेवाज्ञा संस्थान द्वारा कांचीपुरम में कांचीकामकोठी पीठ के पूज्य शंकराचार्य श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वतीजी के सानिध्य में संपन्न 'युवा धर्म संसद' में उपस्थित रहे।
- 13–14 अक्टूबर– महिला समन्वय की अखिल भारतीय बैठक एवं वर्ग में भाग लिया।
- 17 अक्टूबर– देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा– 'मीडिया की भूमिका' विषय पर सेमिनार में व्याख्यान हुआ, जिसमे विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पांड्या जी उपस्थित रहे ।
- 7 नवंबर– संस्कृत भारती के अखिल भारतीय अधिवेशन, कोयंबतूर में भाग लिया।
- 24 नवंबर, 9वे गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के निमित्त कानपुर में सिख समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में और 25 नवंबर, भटिंडा में सामाजिक सांस्कृतिक संस्था जनचेतना द्वारा आयोजित सेमिनार में सम्मिलित हुए।
- 25–29 दिसंबर को भाग्यनगर में आयोजित 7वें विश्व संघ शिविर के उद्‌घाटन एवं संवाद सत्रों में रहना हुआ।
- 27–28 जनवरी – कोयंबतूर में विविध हिन्दू आध्यात्मिक संस्थाओं के प्रमुखों की बैठक में भाग लिया, जिसमें भारत तथा विश्व के हिन्दू समुदाय से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

देहरादून में Philosophy and Action of RSS for the Hind Swaraj पुस्तक के नवीन संस्करण के लोकार्पण में उत्तराखंड राज्य के मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, मा. सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक श्री जे.नंदकुमार एवं प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमार

शताब्दी वर्ष कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र सेवा की साधना के एक सौ वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी पूर्ति के निमित्त विविध कार्यक्रमों के आयोजन करने का निर्णय लिया गया। संघ ने अपने शत वार्षिक समारोह मनाने का विचार नहीं किया, किन्तु इस अवसर पर व्यापक समाज संपर्क, प्रबोधन एवं जागरण कार्य करने की योजना बनाई। एक ओर, संगठनात्मक विस्तार तथा गुणात्मक वृद्धि के प्रयास किये गये तो दूसरी ओर, समाज परिवर्तन हेतु पंच परिवर्तन के विषय, सज्जन शक्ति संयोजन-संचालन एवं भारत व हिंदू विमर्श को बढ़ाना - इन प्रयत्नों को करना तय किया।

इसी दृष्टि से शताब्दी वर्ष के निमित्त विविध कार्यक्रमों की रूप रेखा बनी। कार्यक्रम, उसका स्वरूप और उसका हेतु इस प्रकार रहे:

संघ स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव से शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम प्रारंभ हुए।

स्वरूप : मंडल तथा बस्ती के स्तर पर अधिकाधिक संख्या में स्वयंसेवकों के गणवेश में कार्यक्रम एवं संचलन।

उद्देश्य : कार्य का विस्तार, सभी स्वयंसेवकों की सक्रियता, संघ की व्यापकता

व्यापक गृह एवं ग्राम संपर्क

स्वरूप : प्रांतों में 3-4 सप्ताह में स्वयंसेवकों की छोटी छोटी टोली द्वारा अधिकाधिक ग्राम एवं गृह संपर्क करना।

उद्देश्य : संघ के 100 वर्ष की यात्राा व संघ कार्य के परिचय देना, वर्तमान परिस्थिति में अपनी भूमिका और पंच परिवर्तन के विषय पहुँचाना।

सामाजिक सद्भाव बैठक

स्वरूप : खंड / नगर स्तर पर सकल समाज के प्रमुखों व संतों की बैठक, चिंतन-मंथन।

उद्देश्य : सामाजिक व धार्मिक नेतृत्व में सामंजस्य एवं परस्पर सहयोग, दुर्बल समूहों के अभाव का निराकरण, सामूहिक चिंतन व प्रयास का अभ्यास एवं सामाजिक शक्ति वर्धन। पंच परिवर्तन के क्रियान्वयन हेतु चर्चा।

प्रमुख नागरिक गोष्ठी

स्वरूप : जिला स्तर पर समाज के विविध श्रेणी के चयनित प्रमुख व्यक्तियों के 2-4 घंटों की चिंतन सभा।

उद्देश्य : संघ कार्य, हिंदुत्व, वर्तमान राष्ट्रीय परिस्थिति में अपनी भूमिका, पंच परिवर्तन आदि विषयों पर विषय प्रस्तुति, संवाद, जिज्ञासा- समाधान के द्वारा वैचारिक तथा दायित्व जागरण।

हिन्दू सम्मेलन

स्वरूप : मंडल एवं बस्ती के स्तर पर (अथवा उनके प्रतिनिधित्व) हिन्दू समाज के 3-4 घंटों का सम्मेलन।

आयोजक : स्थानीय प्रमुख व्यक्तियों की समिति

उद्देश्य : हिन्दू समाज की सांस्कृतिक एकता व संगठित शक्ति, हिंदुत्व/धर्म जागरण और पंच परिवर्तन का आचरण।

युवा कार्यक्रम

स्वरूप : स्थानीय योजनानुसार विविध स्तरों पर तरुण विद्यार्थी/युवाओं का एकत्रीकरण, सभा, संवाद।

उद्देश्य : युवा पीढ़ी में राष्ट्र बोध, संगठन स्वभाव एवं समाज परिवर्तन के प्रयत्न की वृद्धि, युवकों में कार्य बढ़ाना।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर देश भर में विशाल संख्या में कार्यक्रम आयोजित हुए। परिणामस्वरूप व्यापक प्रमाण में राष्ट्र जागरण, समाज चिंतन, संघ विचार एवं कार्य का परिचय तथा समर्थन का प्रभावी वातावरण बना है। उसमें कुछ ही प्रातिनिधिक कार्यक्रमों का वृत्त यहाँ प्रस्तुत है।

विजयादशमी उत्सव

विजयादशमी उत्सव, नागपुर - दिनांक 2 अक्टूबर, 2025 (आश्विन शुक्ल दशमी)
को विजयादशमी उत्सव नागपुर के रेशिमबाग मैदान में संपन्न हुआ।
उत्सव में उपस्थित स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिकों को पू. सरसंघचालक जी द्वारा संबोधित किया गया।
देश के 14वें राष्ट्रपति रहे मा. रामनाथ कोविंद जी का मुख्य अतिथि के नाते उद्‌बोधन हुआ।
उत्सव में बौद्ध गुरु परम पावन दलाई लामा द्वारा संघ शताब्दी वर्ष पर भेजे शुभकामना संदेश का वाचन किया गया।

विजयादशमी - अखिल भारतीय उपस्थिति							
विजयादशमी उत्सव				विजयादशमी संचलन			
कुल उत्सव	-		62,555	संचलन स्थान	-		22,656
उपस्थिति	-	तरूण	27,08,186	उपस्थिति	-	तरूण	21,62,155
	-	बाल	5,36,955		-	बाल	3,83,663
		योग	32,45,141			योग	25,45,818

विजयादशमी उत्सव

कर्नाटक उत्तर – विजयादशमी उत्सव एवं पथसंचलन मंडल एवं बस्ती स्तर पर संपन्न हुए1875 मंडलों तथा 672 बस्तियों में कुल 2545 विजयादशमी उत्सव संपन्न हुए। इन उत्सवों में कुल 70,226 पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।280 स्थानों पर 308 पथ-संचलन हुए। 1,22,379 पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवक सहभागी हुए तथा प्रेक्षक संख्या 92,700 रही। हुबली में आयोजित पथ-संचलन के लिए 23 श्रेणियों में गटनायकों को चिह्नित कर व्यापक संपर्क की योजना बनाई गई थी। परिणामस्वरूप, संख्या में 5226 की वृद्धि हुई ।

मध्य भारत – विजयादशमी उत्सव के अवसर पर राजगढ़ विभाग में 283 मंडलों और 75 बस्तियों सहित कुल 358 स्थानों पर पथ संचलन संपन्न हुआ, जिसमें 27,441 नवीन गणवेश तैयार किए गए तथा 72,463 स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। राजगढ़ नगर की सभी 6 बस्तियों में संचलन हुआ और नगर के 48 मोहल्लों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित रहा। 32,113 की आबादी वाले इस नगर में 2,280 स्वयंसेवकों ने संचलन किया। संचलन देखने 1,480 पुरुष एवं 1,690 मातृशक्ति उपस्थित रही। भोपाल महानगर में चिकित्सक, अधिवक्ता, प्राध्यापक, शिक्षक, उद्योगपति एवं युवा उद्यमी जैसी प्रमुख श्रेणियों को चिह्नित कर श्रेणी संचलन आयोजित किया गया। 2,917 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए, जिनमें 475 प्राध्यापक, 414 चिकित्सक, 330 शिक्षक, 305 अधिवक्ता, 185 उद्योगपति एवं 180 युवा उद्यमी शामिल रहे। भोपाल के राष्ट्रीय संस्थान Maulana Azad National Institute of Technology (MANIT) में छात्र संचलन आयोजित हुआ। 232 छात्र एवं 24 प्राध्यापक सहभागी रहे। प्रान्त के सभी 1814 मंडलों एवं 759 बस्तियों में पथ संचलन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। 2,96,877 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया।

जोधपुर – विजयदशमी उत्सव पर जोधपुर प्रान्त में पूर्ण गणवेश हेतु विशेष प्रयास किये गए। 1990 स्थानों पर पूर्ण गणवेश में 2,14,692 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। 5,128 स्थानों का प्रतिनिधित्व रहा। 85,846 नये स्वयंसेवक बने व 1,05,005 नए स्वयंसेवकों ने गणेवश खरीदा। 1593 स्थानों पर हुए संचलनों में 1,53,049 तरूण व 4,7047 बाल सहभागी हुए। मातृ शक्ति – 38106 पुरूष 78677 कुल 1,16,783 जन सहभागिता रही। बीकानेर विभाग में 13 में से 8 खंडों के प्रत्येक गांव में गणवेश धारी स्वयंसेवक तैयार हुए हैं।

हिमाचल – प्रान्त में विजयादशमी उत्सवों का आयोजन खंड और नगर स्तर पर हुआ। 204 उत्सवों में 1068 मंडलों एवं 307 बस्तियों का प्रतिनिधित्व हुआ। 28,446 तरुण एवं बाल स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित रहे। गत वर्ष की तुलना में गणवेश में 170% बढ़ोतरी हुई है। 181 स्थानों पर हुए संचलनों में 20,256 तरुण एवं 5,739 बालों की सहभागिता रही ।

ब्रज – प्रान्त में विजयादशमी उत्सव 01-05 अक्तूबर 2025 के मध्य सम्पन्न हुए। जिलानुसार वक्ता प्रशिक्षण वर्गों में 1957 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभाग एवं जिला स्तर पर एकल गीत, गणगीत, अमृतवचन, प्रार्थना एवं परिचय की कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जिनमें क्रमशः 1038, 670, 635 तथा 560 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। 40,000 नये गणवेश की बिक्री हुई। साहित्य टोली द्वारा प्रत्येक उत्सव में पुस्तक प्रदर्शनी एवं बिक्री की व्यवस्था की गई तथा मातृशक्ति की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु बहनों को गटनायक एवं व्यवस्था दायित्व में जोड़ा गया। प्रान्त में 2355 उत्सवों में 1,28,880 स्वयंसेवक सहभागी हुए, 4020 घोष वादक उपस्थित रहे तथा 24,144 बहनों और 74,825 बन्धुओं ने दर्शक के रूप में सहभागिता की।

ओडिशा पूर्व – प्रान्त में विजयादशमी के अवसर पर मण्डल स्तर पर 668, बस्ती स्तर पर 131 तथा उच्चतर स्तरों पर 46 कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 1005 मण्डलों तथा 405 बस्तियों से पूर्ण गणवेश में उपस्थित 28,641रही। 269 स्थलों पर आयोजित संचलनों में 15,522 तरुण एवं 3,594 बाल स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। 245 स्थलों पर घोष सहित संचलन सम्पन्न हुआ, जिसमें 2,707 घोषवादक सहभागी रहे। इस अवसर पर 18,000 स्वयंसेवकों द्वारा नवीन गणवेश का निर्माण कराया गया।

गृह संपर्क अभियान

कुल 46 प्रांतों में से 37 प्रांतों ने दिये जानकारी के अनुसार अब तक सम्पन्न कार्यक्रम (अन्य प्रांतों में अभियान अभी चल रहा है)

संपर्कित ग्राम	संपर्कित बस्ती	सपर्कित घर	वितरित पत्रक	पुस्तक बिक्री
3,89,465	31,143	10,02,12,162	9,11,88,203	84,13,552

मध्य भारत – प्रांत के सभी मोहल्लों एवं ग्रामों में टोलियाँ बनाकर सम्पन्न किया गया। 46,493 टोलियों के 3,09,107 स्वयंसेवकों ने 27,41,930 परिवारों तक संपर्क किया। अभियान के साथ-साथ समाज के प्रमुख जनों से संपर्क की विशेष योजना भी बनाई गई। 3,478 प्रमुख व्यक्तियों से संपर्क किया।

ब्रज – प्रान्त में गृह संपर्क 10 नवंर से 30 नवम्बर 2025 तक संपन्न हुआ। 11,217 टोली में 52,480 स्वयंसेवक प्रशिक्षण लेकर गृह संपर्क अभियान में लगे। 09 नवंर को प्रान्त में अधिकतम संपर्क दिवस के रूप में योजना बनी जिसमें एक ही दिन में 3 लाख 50 हजार परिवारों में संपर्क हुआ। इस प्रकार मुस्लिम 493, ईसाई 155, अन्य भाषा भाषी 156, पूज्य संत 86, आध्यात्मिक संस्थाएं 22, बौद्ध समूह 241, जैन समूह 340, सिक्ख समूह 460, अन्य राजनीतिक दल 125 से संपर्क किया गया। प्रान्त में 39,09,191 परिवारों में संपर्क हुआ।

ओडिशा पूर्व – गृह सम्पर्क अभियान प्रान्त के सभी खण्डों में सम्पन्न हुआ। 1270 मण्डल सक्रिय रहे। 4163 पंचायतों तथा 21,136 ग्रामों तक सम्पर्क स्थापित किया गया। समस्त बस्तियों में पहुँचते हुए कुल 16,18,871 गृहों में संपर्क किया गया। कुल 3,118 विशिष्ट व्यक्तियों से भेंट सम्पन्न हुई। 1,05,695 पुस्तकों का विक्रय किया गया । 3,121 टोलियाँ सक्रिय रहीं।

हिन्दू सम्मेलन

कुल 46 प्रांतों में से 37 प्रांतों ने दिये जानकारी के अनुसार अब तक सम्पन्न कार्यक्रम (अन्य प्रांतों में सम्मेलन अभी चल रहे है)

कुल मंडल सम्मेलन	कुल बस्ती सम्मेलन	उपस्थित महिला	उपस्थित पुरुष	कुल उपस्थिति
23,143	13,905	1,55,95,124	1,93,40,087	3,49,35,211

कर्नाटक उत्तर – 31 जनवरी की शाम को धारवाड़ शहर की कल्याण नगर बस्ती के हिंदू सम्मेलन में मा. सरकार्यवाह जी उपस्थित रहे। 2,000 से अधिक हिंदू बंधुओं की उपस्थिति रही।

देवगिरी – प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में 16 जनवरी 2026 को गंगापुर नगर में 'हिंदू सम्मेलन' संपन्न हुआ। 'हिंदू जगे तो विश्व जगेगा' ये ध्येय वाक्य था। 9,000 घरों तक प्रत्यक्ष संपर्क कर निमंत्रण पत्रिकाएं वितरित की गई। मातृशक्ति ने विशेष उत्साह दिखाते हुए 16,000 से अधिक तिलगुड़ लड्डू संकलित किए। पसायदान के साथ समापन हुआ। संख्या 8,500 रही।

मध्य भारत – प्रांत में 20 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 के मध्य 1814 मंडलों एवं 759 बस्तियों में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन सम्पन्न हुआ। इन सम्मेलनों में 51,42,778 समाजजनों की सहभागिता रही।

महाकौशल – जबलपुर के कृषि भाग की सुहागी बस्ती में मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में विशाल हिंदू सम्मेलन हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ कन्या पूजन और महापुरुषों की झांकियों के साथ हुआ। 4500 लोग उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ – प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में अभनपुर खंड के सोनपैरी में 31 दिसंबर 2025 को असंग देव कबीर आश्रम में 3 मंडलों का हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ। 7,408 मातृशक्तियाँ एवं 8,025 पुरुष सहित कुल 15,433 लोगों की उपस्थिति रही।

मध्य भारत - मंडल हिन्दू सम्मेलन

मेरठ – मेरठ पूर्वी महानगर के शास्त्री नगर के दयानंद बस्ती का हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित किया गया। 2347 की उपस्थिति रही। स्वामी दीपांकर जी महाराज की विशेष उपस्थित रही।

ब्रज – में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन 15 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक संपन्न हुआ। कोसी जिले के पैगाँव मण्डल में लगभग 15,000 हिन्दू समाज की उपस्थिति रही।

गोरक्ष – पू. सरसंघचालक की उपस्थिति में गोरखपुर के मालवीय नगर की श्रीराम बस्ती का हिन्दू सम्मलेन 17 दिसंबर 2025 को संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि इस नाते अध्यात्म योग साधना केंद्र के संचालक पूज्य स्वामी सच्चिदानंद जी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त अपर जिला जज श्री प्रभाकर मिश्रा जी ने की। 6000 की इस बस्ती में सभी परिवार से लोग आये थे। 6500 उपस्थिति रही ।

ओडिशा पूर्व – प्रान्त में 832 स्थानों पर हिन्दू सम्मलेन का आयोजन हुआ। 250 स्थलों पर 10,000 से अधिक उपस्थिति रही। एक सम्मेलन में पद्मश्री श्रीमती तुलसी मुंडा जी का उद्बोधन प्राप्त हुआ ।

उत्तर असम – धुबरी जिले के चतरसाल के हिन्दू सम्मेलन में असम सत्र महासभा के अध्यक्ष पूज्य सत्राधिकार प्रभु श्री जीतेन्द्र नाथ प्रधानी एवं डॉ. प्रतिमा नियोगी की प्रमुख उपस्थिति रही। 7000 से अधिक उपस्थिति रही। नागालैंड के दीमापुर में 1 फरवरी 2026 को हिन्दू सम्मलेन का आयोजन किया गया। 3,500 से अधिक जनजातीय बंधु-भगिनी उपस्थित थे। जैन मुनी महाराज रमेश कुमार जी का आशीष एवं डॉ. थुंबुई जेलिंग जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। लुमडिंग नगर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में नगर क्षेत्र तथा आसपास के स्थानों से लगभग 2500 लोगों की उपस्थिति रही। मेघालय राज्य में 32 हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया गया जिसमें 17,696 लोगों का सहभाग रहा। बंगलादेश से सटे करैगुरा में आयोजित नारायण पूजा में करीब 300 लोगों ने हिस्सा लिया। शिलोंग के मारनगर में 'नेशनल इंडिजिनियस फेथ सम्मेलन' का आयोजन किया गया। 1000 से अधिक लोग सहभागी हुए।

अरुणाचल – 31 जनवरी व 1 फरवरी 2026 को मा. सह सरकार्यवाह श्री अरुण कुमार जी का पासीघाट एवं ईटानगर में प्रवास सम्पन्न हुआ। दोनों ही स्थानों पर, जिला स्तरीय भव्य स्वधर्म (हिन्दू) सम्मेलनों का आयोजन हुआ। पासीघाट एवं ईटानगर में क्रमशः 7500 व 3500 संख्या रही। सम्मेलन मे पधारे बंधु-भगिनियों के लिए 24,000 भोजन पैकेट संग्रहीत कर उपयोग किए गए। स्वधर्म आन्दोलन, संघ शताब्दी वर्ष, पंच परिवर्तन एवं हिन्दू समाज की अन्तर्निहित एकता पर श्री अरुण कुमार जी एवं अन्य वक्ताओं का उद्बोधन रहा ।

दक्षिण असम – मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति मे हाइलाकान्दि नगर मे नेताजी बस्ती का हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। 2000 से अधिक नागरिक उपस्थित थे।

जाति पंथ के जंजालों में, बंटे रहे कब तक हम
भारत माँ के पुत्र सभी हम, कर ले मन में यह प्रण
मस्तक ऊँचा कर माता का, और बढ़ायें शान
राम राज्य का ध्येय साधने, राष्ट्र बने बलवान

सामाजिक सद्भाव बैठक

मालवा – उज्जैन शहर की विभिन्न प्रमुख आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की एक संयुक्त बैठक दि. 18 नवम्बर 2025 को संपन्न हुई। बैठक में इस्कॉन, आर्ट ऑफ लिविंग, समन्वय परिवार, गायत्री परिवार, विश्व जागृति मंच, प्रशांति धाम, ईशा फाउंडेशन, कबीर आश्रम, आर्य समाज मंदिर, श्री रामकृष्ण मिशन, ब्रह्मकुमारी संस्थान, राधा स्वामी सत्संग, सनातन संस्थान, श्री अरविन्द सोसायटी तथा जय गुरुदेव नाम प्रभु का आदि प्रतिष्ठित संगठनों के 56 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मा. सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णागोपाल जी ने 'पंच परिवर्तन' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बैठक में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भविष्य में समन्वित सामाजिक-आध्यात्मिक गतिविधियों के संचालन पर सहमति जताई।

मध्य भारत – प्रांत सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन 3 जनवरी 2026 को प. पू. सरसंघचालक जी एवं प्रख्यात कथावाचक पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विभिन्न वर्गों और संगठनों के आए हुऐ प्रतिनिधियों द्वारा समाज उत्थान के लिए किए जा रहे नवाचार एवं अच्छे कार्यों का प्रतिवेदन पढ़ा गया, साथ ही प्रख्यात कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा जी द्वारा आशीर्वचन दिया गया। आठ विभागों से 224 समाज प्रमुख एवं 38 संगठन के प्रमुख कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

चित्तौड़ – मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास निमित्त मेवाड़ और वागड़ क्षेत्र के धार्मिक एवं आध्यात्मिक सेवा संस्थान प्रमुखों की सामाजिक सद्भाव बैठक 3 दिसंबर 2025 को उदयपुर में आयोजित हुई जिसमें 178 संख्या उपस्थित रही एवं कोटा और बारां विभाग में पूज्य संतों और कथा वाचकों की सद्भाव बैठक भी आयोजित की गई जिसमें 163 संख्या रही। प्री वेडिंग फोटो, खर्चीले समारोह, मृत्युभोज, सामाजिक सुरक्षा, मोबाइल दुरुपयोग, लव जिहाद, जनसंख्या असंतुलन, बढ़ती व्यसन समस्या, रसायन युक्त कृषि के नुकसान जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई और उनका समाधान भी होता दिख रहा है। परिवार में साथ भोजन करने, आरती में सहभाग करने, जन्म दिन भारतीय पद्धति से मनाने की वृत्ति बढ़ी है। अपनी जाति बिरादरी में जो गरीब और कमजोर हैं उनकी सहायता को भी तत्पर हो रहे हैं।

हरियाणा – 4 जनवरी 2026 को रोहतक में प्रान्त स्तर की एक सामाजिक सद्भाव गोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी 27 जिलों से 60 जाति-बिरादरियों (सामाजिक नेतृत्व) और 20 आध्यात्मिक संगठनों से 326 बन्धु-भगिनी उपस्थित रहे। जैन, बौद्ध, मुस्लिम के साथ-साथ सिक्ख समाज से अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

गोरक्ष – 15 फरवरी 2026 को गोरखपुर में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक को प. पू. सरसंघचालक जी ने संबोधित किया एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। विभिन्न जाति, पंथों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। 32 जाति बिरादरी से 582 उपस्थिति रही। बौद्ध भिक्षुभी सहभागी थे ।

उत्तर बिहार – 25 जनवरी 2026 को मुजफ्फरपुर में पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में 'सामाजिक सद्भाव संगोष्ठी' कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 53 जातियों से 417 प्रमुख एवं प्रभावी नेतृत्व करने वाले सज्जनों की सहभागिता रही।

दक्षिण बंग – 12 से 14 दिसंबर 2025 को परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास अंडमान-निकोबार विभाग के केंद्र श्रीविजयपुरम (पोर्ट ब्लेअर) में संपन्न हुआ। यह प्रथम अवसर था जब संघ के सरसंघचालक का प्रवास हुआ। 12 दिसंबर को चिन्मय मिशन परिसर में आयोजित सामाजिक सद्भावना बैठक में विभिन्न मठों एवं मंदिरों से 75 गणमान्यजन उपस्थित रहे। 13 दिसंबर को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ। इसी स्थल से 1943 में सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्र को संबोधित किया था। सम्मेलन में लगभग 13 हजार की उपस्थिति रही। लोगों ने 9 प्रमुख द्वीपों से दुर्गम यात्रा करके भी सहभागिता की। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष पूज्य स्वामी शुद्धानंद जी ने स्वागत भाषण दिया तथा पू. सरसंघचालक जी ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन किया।14 दिसंबर को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मुख्य सभागार में आयोजित विशिष्ट नागरिक सम्मेलन में 615 अति विशिष्ट नागरिकों की उपस्थिति रही।

प्रमुख जन गोष्ठी

प. पू. सरसंघचालक जी के 4 महानगरों में विशेष संवाद कार्यक्रम

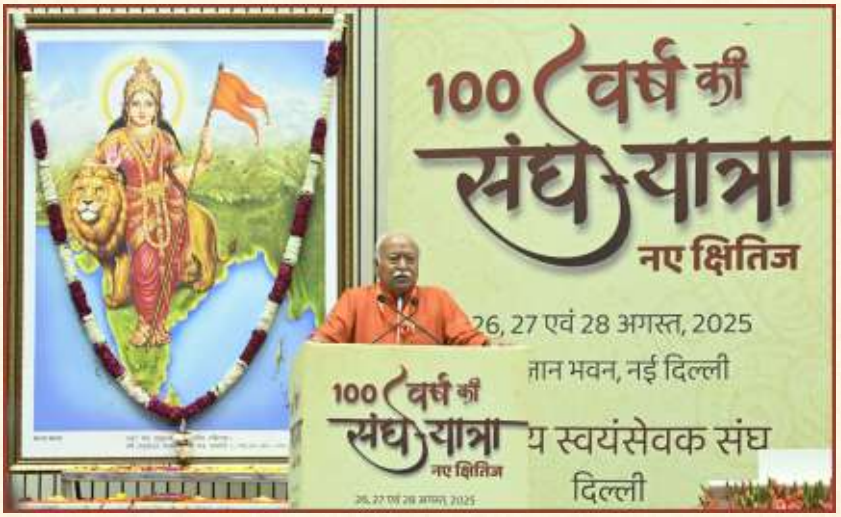

देश के चार प्रमुख महानगरों में 'संघ की 100 वर्ष की यात्रा – नए क्षितिज' विशेष कार्यक्रम संपन्न हुए। सभी कार्यक्रमों के आखिरी सत्र में प. पू. सरसंघचालक जी द्वारा जिज्ञासा समाधान किया गया। कुल 132 उप श्रेणी में से सूची बनाकर संपर्क की रचना की गयी।

- **दिल्ली** – में 3 दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। विभिन्न 40 देशों के राजदूत विशेष रूप से सहभागी हुए। 1278 उपस्थिति रही।
- **बेंगलुरु** – दि. 8 और 9 नवम्बर 2025 को व्याख्यान माला का आयोजन बेंगलुरु में किया गया। वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कलाकार जैसी समाज की 13 श्रेणियों से गणमान्यों को आमंत्रित किया गया था। दि. 8 को दो सत्रों में पू. सरसंघचालक जी ने विचार रखे एवं दि. 9 को श्रोताओं की और से आये प्रश्नों का उत्तर दिया। 1228 उपस्थित रहे।
- **कोलकाता** – कोलकाता में में एक दिवसीय 'शतायु संघ' व्याख्यानमाला का आयोजन दि. 21 दिसंबर 2025, को साइंस सिटी ऑडिटोरियम, कोलकाता में संपन्न हुआ। प्रथम दो सत्रों में पू. सरसंघचालक जी ने संघ की शतवर्षीय यात्रा पर विचार व्यक्त किए तथा तृतीय सत्र में उपस्थितों के प्रश्नों का समाधान किया। दोपहर भोजन के समय तथा सायं अल्पाहार के समय भी अति विशिष्ट नागरिकों से उनका संवाद हुआ। 1293 महानुभाव उपस्थित रहे। विशेषत: 40 क्रान्तिकारक परिवार के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे ।
- **मुंबई** – दो दिवसीय व्याख्यानमाला दि.7-8 फरवरी 2026 को नेहरू सेंटर, वर्ली में संपन्न हुई। मुंबई में कला जगत तथा आर्थिक क्षेत्र के महानुभाव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। 797 उपस्थिति रही।

बेंगलुरू संवाद कार्यक्रम

प्रमुख जन गोष्ठी

उत्तर तमिलनाडु – सेलम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लिए एक संगोष्ठी 2 जनवरी 2026 को मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में आयोजित की गयी। 1382 गणमान्य उपस्थित रहे। 3 जनवरी 2026 को इसी प्रकार का कार्यक्रम पुदुचेरी में आयोजित किया गया। 681 उपस्थित रहे।

कर्नाटक उत्तर – धारवाड़ के गरग स्थित राष्ट्रोत्थान विद्या केंद्र में 31 जनवरी 2026 को मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में शिक्षण संस्थान प्रमुखों का एक वृहद 'संवाद कार्यक्रम' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 191 स्थानों के 540 संस्थानों से कुल 920 प्रमुखों ने सहभागिता की। संवाद और प्रश्नोत्तरी सत्र के कारण विचारों का प्रभावी आदान-प्रदान हुआ ।

तेलंगाना – 14 दिसम्बर को आयोजित टॉलीवुड (तेलुगु फिल्म उद्योग) के प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय अभिनेताओं, निर्देशकों, निर्माताओं, गीतकारों एवं संगीत निर्देशकों के साथ एक आत्मीय एवं प्रभावी संवाद प्रख्यात अभिनेता दग्गुबाती वेंकटेश जी के निवास पर आयोजित हुआ। 66 कलाकार उपस्थित रहे। प. पू. सरसंघचालक जी ने अपने उद्बोधन में संघ के कार्य एवं विचारधारा पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित जनों के विभिन्न प्रश्नों के स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर दिए।

देवगिरी –प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में 17 जनवरी 2026 को आयोजित 'प्रमुख नागरिक संगोष्ठी' में देवगिरी प्रांत के 20 विभिन्न श्रेणियों के कुल 157 गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

मालवा – मा. सरकार्यवाह जी के इंदौर प्रवास में प्रांत स्तर की प्रमुख जन गोष्ठी दि. 30 नवंबर 2025 को संपन्न हुई। इंदौर महानगर से 800 तथा शेष प्रांत से 450 नाम चयनित किए गए। कार्यक्रम में 890 महानुभाव विभिन्न श्रेणियों से उपस्थित रहे, इनमें 188 मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

मध्य भारत – प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन भोपाल में किया गया। 1980 उपस्थिति रही।

जम्मू कश्मीर – 1) 29 जनवरी 2026 को कठुआ में आदरणीय सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी के साथ चयनित उद्यमियों का संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। 35 उद्यमी उपस्थित रहे। 2) इसी क्रम में 30 जनवरी 2026 को जम्मू के उच्च न्यायालय परिसर में अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें 350 अधिवक्ता उपस्थित रहे।

उत्तराखंड – जून से सितम्बर 2025 तक 10 संत संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इन संगोष्ठियों में 188 संतों ने सहभागिता की और अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। 17 अक्टूबर 2025 को मा. भैय्या जी की उपस्थिति में संतों की एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। 72 संतों व साध्वियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वरानंद जी महाराज ने की।

गोरक्ष – 1) 17 दिसंबर 2025 को गोरखपुर में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी 'संघ की 100 वर्ष की यात्रा एवं भविष्य की दिशा' में मा. सरकार्यवाह जी की प्रमुख उपस्थिति रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ उद्यमी श्री चैतराम पाहुजा जी ने की। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रबंधक, प्राचार्य, अध्यापक, अधिवक्ता, व्यवसायी, गोरखपुर विश्वविद्यालय व तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, डॉक्टर आदि 540 उपस्थित रहे।

2) 15 फरवरी 2026 को गोरखपुर में संपन्न हुए प्रमुख जन गोष्ठी में प. पू. सरसंघचालक ने मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कुलपति प्रो. चंद्रशेखर जी ने की। इस कार्यक्रम के लिए पूरे प्रांत से 1156 उपस्थित रहे।

उत्तर बिहार – 1) मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में दरभंगा में 17 जनवरी 2026 को 'प्रमुख जन गोष्ठी' का आयोजन किया गया। 1880 उपस्थित रहे।

2) 18 जनवरी 2026 को मुजफ्फरपुर में उच्च शिक्षा संस्थानों के संचालन में प्रमुख भूमिका का निर्वहन करने वाले ऐसे विशिष्ट जनों के साथ एक 'संगोष्ठी सह संवाद' का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 117 शिक्षण संस्थानों से 364 विशिष्ट शिक्षाविदों की सहभागिता रही। इसी दिन मुजफ्फरपुर में ही 'यंग प्रोफेशनल्स' के साथ संगोष्ठी सह संवाद का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 254 बंधु-भगिनी की सहभागिता रही।

मध्य बंग – दि. 19 जनवरी 2026 को बर्धमान नगर में प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी का आयोजन मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में किया गया। 325 प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। ऐसे ही 20 जनवरी को नदीया के AIIMS ऑडिटोरियम में भी संगोष्ठी का आयोजन हुआ था। 165 माता भगिनी सहित कुल 765 प्रबुद्ध नागरिक सम्मिलित हुए।

उत्तर बंग – प्रांत में 19 दिसंबर 2025 को परम प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में प्रांत केंद्र सिलीगुड़ी में एक प्रमुख नागरिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। 160 महानुभाव उपस्थित रहे।

दक्षिण असम – मा. सरकार्यवाह की उपस्थिति में प्रांत केन्द्र सिलचर में नागरिक गोष्ठी आयोजित की गयी। 517 प्रमुख नागरिक उपस्थित रहे। उद्बोधन और प्रश्नोत्तर का सत्र हुआ।

मणिपुर – इम्फाल में दि. 20 नवम्बर 2025 को प. पू. सरसंघचालक जी के उपस्थिति में प्रांत के गणमान्य बंधुओं के साथ 'नागरिक गोष्ठी' का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 200 बंधू सहभागी हुए। इम्फाल में ही दि. 21 नवम्बर 2025 को इसी प्रकार प्रांत के जनजातीय प्रमुखों के साथ 'जनजाती प्रमुख गोष्ठी' का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 17 जनजातियों के 120 बंधु सहभागी हुए।

युवा कार्यक्रम

केरल दक्षिण – प्रांत द्वारा 24-25 फरवरी 2026 को तिरुअनंतपुरम एवं कोची में 'ब्लूमिंग भारत : युवा वैचारिक संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। झोहो फाउंडेशन के श्री श्रीधर वेम्बू जी तथा तुघलक के सम्पादक श्री एस. गुरुमुर्ती, की विशेष उपस्थिति रही। 45 वर्ष से कम आयु के शोधकर्ताओं, शिक्षकों, स्नातकोत्तर चिकित्सा विद्यार्थियों और युवा चिकित्सक निमंत्रित थे। 870 उपस्थित रहे।

केरल उत्तर – प्रांत के कोझिकोड में 10 फरवरी 2026 को 20-40 वर्ष आयु वर्ग के लिए 'प्रेरणा' कार्यक्रम का आयोजन मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में किया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले उल्लेखनीय युवक-युवतियों और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र ऐसे 230 युवती और 432 युवक उपस्थित रहे।

उत्तर तमिलनाडु – 9 दिसम्बर 2025 को चेन्नई में प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में युवाओं के साथ संवाद का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 847 युवा एवं 177 युवती ऐसे 1083 उपस्थित रहे।

कर्नाटक उत्तर – विजयपुर में 16 – 17 दिसंबर 2025 को संघ के सह-सरकार्यवाह श्री मुकुंद जी के प्रवास के दौरान 'युवा साधु-संत संवाद' का सफल आयोजन हुआ। विभिन्न पंथों के 230 संत सहभागी हुए। मुकुंद जी ने समाज परिवर्तन में संतों की भूमिका पर अपने विचार रखें।

कोकण – नवी मुंबई जिले में 'युत्थान' युवा सम्मेलन 6-7 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्रीय सुरक्षा, सिनेमा संवाद, स्टार्टअप, जॉब स्किल्स, नारी सशक्तिकरण तथा विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका जैसे विषयों पर सत्र हुए। प्रबंधन, प्राध्यापक एवं छात्र नेतृत्व से बहुस्तरीय संपर्क स्थापित किया गया। पर्यावरण-संवेदनशील आयोजन के अंतर्गत प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग और पर्यावरण प्रदर्शनी जैसे उपक्रम किए गए। 90 कॉलेजों से संपर्क हुआ। 80 कॉलेजों के 470 छात्राओं समेत 910 विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

देवगिरी – प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में छत्रपति संभाजीनगर में 'युवा सम्मेलन' का आयोजन 16 जनवरी 2026 को किया गया। विश्वविद्यालयों के 593 छात्र और 26 से 35 वर्ष आयु के 255 युवा व्यवसायी उपस्थित थे।

सौराष्ट्र – प. पू. सरसंघचालक जी के राजकोट प्रवास अंतर्गत 19-20 जनवरी, 2026 के लोक प्रबोधक संवाद, युवा प्रतिभा मिलन और प्रमुखजन विचार गोष्ठी ऐसे तीन प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोक प्रबोधक प्रतिभाओं के साथ संवाद के इस कार्यक्रम में कथाकार, लोक गायक एवं हास्य कलाकार ऐसे 19 चयनित व्यक्ति विशेष उपस्थित हुए। युवा प्रतिभा मिलन में 55 युवाओं की और प्रमुखजन विचार गोष्ठी कार्यक्रम में 140 सज्जनों की उपस्थिति रही।

मध्य भारत – प्रांत के चयनित युवाओं के लिए 'युवा संवाद' कार्यक्रम प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। श्रद्धेय संत श्री सुदेश शांडिल्य जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। प. पू. सरसंघचालक जी अपना उद्बोधन दिया एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। 278 युवा उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ – दि. 31 दिसंबर 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) रायपुर में 'युवा संवाद' कार्यक्रम संपन्न हुआ। IIT भिलाई, IIM, AIIM जैसे राष्ट्रीय संस्थानों, प्रादेशिक महाविद्यालयों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के 1147 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

पंजाब – 26 नवम्बर 2025 को बठिण्डा स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सप्तसिन्धु फोरम के तत्वावधान में 'युवा संवाद' कार्यक्रम मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से आए उद्यमियों, शोधकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रतिभाशाली युवाओं के साथ सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वीरेंद्र गर्ग (संस्थापक, सप्तसिन्धु फोरम) ने की। मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी श्री उमंग जिंदल (सीएमडी, होमलैण्ड ग्रुप) एवं विशेष अतिथि श्री दीपक गर्ग (एमडी-एबी कोटस्पिन) रहे। 158 उद्यमी युवा सम्मिलित हुए।

उत्तर बंग - युवा सम्मेलन

जम्मू कश्मीर - 26 जनवरी 2026 को नगरोटा, जम्मू के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम.) में सहसरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी की उपस्थिति में 'युवा भारत' के अंतर्गत आई.आई.टी. एवं आई.आई.एम. जम्मू के स्वयंसेवकों/विद्यार्थियों का संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। 170 विद्यार्थी उपस्थित रहे। आई.आई.एम. परिसर में आ. अतुल लिमये जी ने एक रुद्राक्ष का पौधा भी लगाया।

ओडिशा पूर्व - प्रान्त में 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक 73 युवा कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 25,078 सहभागियों में 14,828 विद्यार्थी तथा 10,250 व्यवसायी युवा थे । 178 खण्डों तथा 971 मण्डलों का प्रतिनिधित्व हुआ। 2,114 ग्रामों एवं 388 बस्तियों से युवाओं की उपस्थिति रही। 432 महाविद्यालय तथा 228 छात्रावास कार्यक्रमों से सहभागी रहे। कार्यक्रमों के दौरान 2,55,000 रुपये मूल्य की पुस्तकों का विक्रय हुआ।

उत्तर बंग - प्रांत स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को सम्पर्कित कर सम्मलेन में सहभागी करने खंड/नगर में बैठक कर उनसे स्वीकृति पत्र भरवाए गए, प्रवेशिका प्रदान की गई। पूजनीय सरसंघचालक जी ने युवाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में 5,729 युवक एवं 1,053 युवती सहभागी हुए।

दक्षिण असम - अ. भा. कार्यकारिणी के निमंत्रित सदस्य मा. सुरेश जोशी जी उपाख्य भैय्या जी की प्रमुख उपस्थिति में हाफलंग, हाइलाकान्दि और श्रीभूमि नगरों में सामाजिक सद्भाव बैठक सम्पन्न हुई। हाफलंग में 19 जाति बिरादरी के 72 प्रमुख जन, हाइलाकान्दि नगर मे 22 जाति बिरादरी के 70 और श्रीभूमि नगर मे 21 जाति बिरादरी से 80 प्रमुख जन उपस्थित थे।

कार्य विभाग वृत्त

शारीरिक विभाग

- 18 जुलाई 2025 को अखिल भारतीय शारीरिक टोली की बैठक पंजाब प्रांत के अमृतसर जिले में ब्यास ग्राम में संपन्न हुई। सभी अपेक्षित 27 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
- उसी स्थान पर दि. 19-20 जुलाई 2025 को अखिल भारतीय वार्षिक बैठक भी संपन्न हुई। 46 में से 45 प्रान्तों के अपेक्षित 105 कार्यकर्ताओं में से 98 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मा. सरकार्यवाह जी एवं सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त चक्रधर जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ ।

सेवा विभाग

प्रशिक्षण एवं बैठकें

- विभाग संघ टोली की उपस्थिति में सेवा विभाग तथा सेवा संस्थाओं (कार्यालय न्यास सहित) की संयुक्त योजना बैठक 247 विभागों में सम्पन्न हुई।
- इस वर्ष 932 नगरों में शाखा सेवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग हुआ।

कार्य वृत्त

- 3007 शहरों की 15314 व्यवसायी शाखाओं में 26492 सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो गयी है। 12826 बस्तियों में स्थानीय शाखाओं के सहयोग से बस्ती की आवश्यकता अनुसार सेवा कार्य चलाये जा रहे हैं ।

सेवा वृत्त

- देश में सभी मातृसंस्थाओं सहित कुल 96045 सेवा कार्य (दैनिक या साप्ताहिक) संचालित हैं। इसमें शिक्षा - 45931, स्वास्थ्य - 15632, स्वावलम्बन - 16594 , सामाजिक 17888 , योग - 96045. इसके अतिरिक्त 55958 अन्य सेवा उपकर्म किए जाते हैं।
- सेवा उपक्रम करने वाली शाखायें 15680 है ।

संपर्क विभाग

- संपर्क विभाग के वार्षिक नियोजन तथा शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु 11-12 फरवरी 2026 को दिल्ली में क्षेत्र संपर्क प्रमुख तथा अखिल भारतीय संपर्क टोली की बैठक हुई।
- संघ शताब्दी वर्ष हेतु संपर्क विभाग द्वारा समाज के प्रबुद्धजनों तक देश के सभी प्रमुख स्थानों पर आयोजित प्रबुद्ध जन संगोष्ठी के द्वारा संघविचार व पंच परिवर्तन विषय पहुँचाया गया।
- ' भाग्यनगर - 1 फरवरी 2026 को हैदराबाद के इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (HICC) में कार्यक्रम आयोजित किया गया। 10 विभिन्न श्रेणियों के 1309 निमंत्रित सज्जन उपस्थित रहे। वंदे मातरम् से कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। प. पू. सरसंघचालक जी ने विभिन्न विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए एवं मार्गदर्शन किया।
- अन्य स्थानों पर भी प्रबुद्ध जन गोष्ठी द्वारा 10 श्रेणियों से समाज के प्रमुख महानुभावों को संघ, हिंदुत्व, राष्ट्र व पंच परिवर्तन के विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। परिणामस्वरूप कई उद्यमियों व अन्यों ने दीपावली शुभकामना कार्ड में पंच परिवर्तन का संदेश दिया। -8 बड़े शहरों में अवकाश प्राप्त अधिकारियों ने पांचों विषय के अलग गट बनाकर स्कूल, कॉलेज में जनजागृति का कार्य शुरू किया है।
- पू. सरसंघचालक और मा. सरकार्यवाह के प्रवास में देश के गणमान्य महानुभावों को व्यक्तिगत भी मिलना हुआ।
- संपर्क विभाग द्वारा दिल्ली स्थित विभिन्न देशों के मुख्य राजदूत (दूतावास) से संपर्क की विशेष योजना बनी। पंच परिवर्तन एवं कुटुंब प्रबोधन इन विषयों पर सभी ने सकारात्मक विचार व्यक्त किये।
- संघ शताब्दी वर्ष हेतु देश के प्रमुख स्थानों पर युवा उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार, पूर्व सैनिक, शोध छात्र आदि के एकत्रीकरण का आयोजन किया गया। इन सभी में महिलाओं का अच्छा सहभाग रहा।
- विभिन्न सद्भाव बैठकों में विशेष कर सिख, बौद्ध एवं एस. सी. एस. टी. समुदाय के प्रमुख सहभागी रहे।
- इस वर्ष केंद्र शासित प्रदेश व अन्य छोटे प्रदेशों (कश्मीर घाटी, लेह, सिक्किम, अंदमान निकोबार, दादरा नगर हवेली, दीव दमन, लक्षद्वीप, मिझोरम, मेंघालय, नागालैंड आदि) में भी अ. भा. टोली सदस्यों का प्रवास संपन्न हुआ। अ. भा. अधिकारीयों का प्रांतशः प्रवास हुआ। सभी क्षेत्रों की बैठकों में भी जाना हुआ।
- सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, शैक्षिक क्षेत्र में विभिन्न मत पंथो के बंधुओं से सकारात्मक भेंट हुई। कई विरोधी माने जाने वाले

बंधुओं से भी वार्ता में अच्छा प्रतिसाद मिला।

- आर्क बिशप, कार्डिनल, मुख्य इमाम, पूज्य दलाई लामा जी, पारसी समुदाय के अंतरराष्ट्रीय धर्म गुरु पू. श्री खुरशेद दस्तूर जी, समय सागर जी महाराज, हाजिरा हुजूर राष्ट्रीय संत ईश्वर शाह, महामहिम राष्ट्रपति जी व दिल्ली तथा देश के प्रमुख शहरों में स्थित विभिन्न सरकारी और सुरक्षा क्षेत्र के अधिकारी गण, देश भर के विभिन्न पद्म व अन्य पुरस्कार प्राप्त महानुभावों से संपर्क कर संघ शताब्दी व पंच परिवर्तन विषय पहुँचाया गया।
- नागौर जिले के छोटी खाटू कस्बे में 162 वां मर्यादा महोत्सव के शुभारंभ पूर्व दिवस पर विशाल व भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। आचार्य महा श्रमण जी के पावन सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में प. पू सरसंघचालक जी का सभी को पाथेय प्राप्त हुआ।
- देश के समसामयिक विषयों पर प्रबुद्धजनों से राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा हुई। इसके परिणाम स्वरूप कई प्रमुख विषयों पर देशभर के प्रमुख लोगों ने एकत्रित आकर हस्ताक्षर युक्त पत्र (Open Letter) लिखे जिसका अच्छा परिणाम हुआ ।
- पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिती में 24 जनवरी 2026 को झारखण्ड 'जनजातीय संवाद' संपन्न हुआ। 703 जनजातीय बन्धुओं का सहभाग रहा।

प्रचार विभाग

- संघ शताब्दी की तैयारी की दृष्टि से प्रचार विभाग द्वारा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं विभिन्न आयामों की योजना बनाई गई। इस निमित्त पत्रकारों के साथ संवाद, स्तम्भ लेखकों की बैठकें, सोशल मीडिया सामग्री निर्माता और प्रभावी लोगों के मिलन के कार्यक्रम आयोजित हुए। मीडिया हेतु योजना बनी थी। संघ स्थापना का उद्देश्य, प्रारंभ काल से सौ वर्ष की यात्रा के मुख्य पड़ाव तथा प्रमुख मुद्दों पर संघ के विचार के संदर्भ में विस्तार से सभी छोटे-बड़े मीडिया में प्रकाशित होने हेतु सामग्री उपलब्ध करवायी गई। समाचारों के साथ-साथ साक्षात्कार, प्रकल्पों के वृत्तांत, डॉक्युमेंट्री या परिचर्चा आदि माध्यमों का प्रयोग किया गया है।
- इस वर्ष संघ शताब्दी के निमित्त चार स्थानों - दिल्ली, बंगलुरु, कोलकाता और मुंबई - में पू. सरसंघचालक जी की '100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज' व्याख्यानमाला समाज तक पहुँचाने के लिए मीडिया के विभिन्न माध्यमों (प्रिंट, इलैक्ट्रोनिक और सोशल मीडिया) द्वारा सीधा प्रसारण करने की व्यवस्था की गई। चारों कार्यक्रमों का विभिन्न चैनलों और सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों (यूट्यूब, फेसबुक, एक्स) से सीधा प्रसारण किया गया। सभी भाषाओं के समाचार पत्रों तक सामग्री पहुंचाई गयी । पू. सरसंघचालक जी के उद्बोधन में आए हुए विषयों पर अनेक लेख भी प्रकाशित हुए।
- विजयादशमी 2 अक्तूबर, 2025 से संघ शताब्दी के कार्यक्रमों का आयोजन प्रारम्भ हुआ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नागपुर के विजयादशमी उत्सव का सीधा प्रसारण करने की व्यवस्था की गई थी। सोशल मीडिया में इसकी सर्वाधिक चर्चा रही। एक्स में #RSS100Years में कुल पहूंच 3,50,812 ट्वीट हुए तथा 23,200 लोगों ने सक्रिय सहभाग किया। इसकी कुल पहुंच 9 करोड़ थी और लगभग 26 घंटे तक वैश्विक ट्रेंडिंग पर रहा। इसके साथ ही #RSS100 1 से 3 अक्तूबर 2026 तक 46 घंटे तक पहले तीन नंबर पर रहा। विजयादशमी के अवसर पर देशभर में सभी भाषाओं की पत्र-पत्रिकाओं ने 'संघ की सौ वर्ष की यात्रा' पर लेख और विशेषांक प्रकाशित किए तथा समाचार चैनलों ने भी कार्यक्रमों का प्रसारण किया तथा पॉडकास्ट भी किए गए। संघ के कार्यों, विचारों और उपलब्धियों पर अनेक पुस्तकों के प्रकाशन भी विभिन्न प्रकाशकों द्वारा किए गए।
- इस वर्ष 22 अगस्त 2025 को मा. सरकार्यवाह जी के साथ कोलकाता में संपादकों व राज्य प्रमुखों के साथ अनौपचारिक संवाद का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, इसमें कुल 42 संख्या उपस्थित रही।
- संघ शताब्दी के निमित्त सोशल मीडिया संगम, सामग्री निर्माता और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ संघ को जानने व समझने के लिए संघ अधिकारियों के साथ संवाद के जिला, विभाग और प्रांत स्तर पर 255 कार्यक्रम सम्पन्न हुये, जिसमें 12,901 संख्या रही।
- विमर्श को आगे बढ़ाने की दृष्टि से निरन्तर साहित्योत्सव और पुस्तक मेलों का आयोजन हो रहा है। इस वर्ष इन्दौर, कटनी, काशी, बांसवाड़ा (चितौड प्रांत) और दिल्ली में साहित्योत्सव सम्पन्न हुए।
- जयपुर के पाथेय भवन में 21 सितम्बर 2025 को आयोजित 'सोशल मीडिया कॉन्क्लेव' का मुख्य उद्देश्य शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बस्ती स्तर पर प्रचार विभाग के लिए कुशल कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स की एक समर्पित टीम तैयार करना था। कार्यशाला में बस्तियों के युवाओं के साथ-साथ परिवार की महिलाओं को भी शामिल कर कुल 276 शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान कंटेंट निर्माण, वीडियो प्रबंधन, आलेख लेखन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रभावी उपयोग जैसे आधुनिक विषयों पर सत्र आयोजित किए गए ।

केरल दक्षिण – बलरामपुरम् टाउन शाखा ने 25 जनवरी 2026 को शाखा वार्षिकोत्सव संपन्न किया। 320 स्वयंसेवक थे। 73 पूर्ण गणवेश में थे। गट व्यवस्था सुव्यवस्थित की गई तथा घोष की तैयारी को सुदृढ़ किया गया। पूर्व में शाखा में केवल 6 घोष वादक थे। नित्य शाखा के बाद प्रतिदिन 30 मिनट के घोष अभ्यास से घोष वादकों की संख्या अब 73 हो गई है। संचलन भी निकाला गया। कुल 136 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में थे। मातृशक्ति एवं शुभचिंतकों सहित कुल 309 व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

कर्नाटक दक्षिण – कोलार विभाग के बेंगलुरु ग्रामांतर जिले ने शारीरिक प्रधान कार्यक्रम करने की योजना बनाई। हर तहसील को शारीरिक का एक विषय दिया गया जिसका अभ्यास होता रहा। दि. 30 नवम्बर को डोड्डबल्लपूरा में एकत्रित प्रदर्शन के कार्यक्रम में योगासन, समता और अन्य प्रात्यक्षिकों के अलावा कार्यकर्ताओं ने सांघिक श्लोक पठन का प्रात्यक्षिक भी प्रस्तुत किया। 93 स्वयंसेवक उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश – करनूल विभाग के नंदयाल जिले में शाखाओं की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु शारीरिक उपक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रयास का उद्देश्य प्रत्येक खंड की शाखाओं में स्वयंसेवकों एवं नए लोगों की उपस्थिति बढ़ाने के साथ-साथ उनकी शारीरिक क्षमता में वृद्धि करना तथा प्रतिदिन दण्ड लाने वालों की संख्या बढ़ाना था। अखिल भारतीय प्रहार महायज्ञ के अंतर्गत 10 लाख प्रहारों का लक्ष्य रखा गया। 36 शाखाओं और 14 मिलनों के कार्यकर्ताओं ने कुल 9,18,334 प्रहार लगाए। 4 शाखाओं में एक लाख प्रहार पूर्ण किए गए। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप शाखाओं में नियमित उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शाखाओं की संख्या 36 से बढ़कर 56 हुई।

पश्चिम महाराष्ट्र – पुणे महानगर के सिंहगड भाग में 17 अप्रैल 2025 को सुभाषित स्पर्धा का आयोजन किया था। भाग की हर आयुगट की शाखा के लिए 50 सुभाषित चयन कर के दिये थे। स्पर्धा में कम से कम पाँच स्वयंसेवकों के गट ने 3 सुभाषित कंठस्थ और सांघिक कहने थे। 3 सुभाषितों में से एक संस्कृत सुभाषित अनिवार्य था। 12 शाखाओं ने सहभाग लिया। मानचित्र परिचय के कुल 49 कार्यक्रम संपन्न हुए।

गुजरात – पाटन जिला के बाल स्वयंसेवकों के शाखा की गुणवत्ता बढ़े इस उद्देश्य से बाल स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण सभी तालुका, नगर इकाई में बाल वर्ग आयोजित हुए। 1 जिले के 9 ईकाईयों में बाल वर्ग पूर्ण हुए। 398 बाल स्वयंसेवक व 66 शिक्षक और 100 प्रबंधकों का सहभाग था। जिले का 'कुशाग्र बालवर्ग' आयोजित हुआ। इस वर्ग में 104 शिक्षार्थी एवं 13 शिक्षक रहे। आचार पद्धति, समता, संचलन अभ्यास, नियुद्ध, सूर्यनमस्कार इत्यादि शारीरिक कार्यक्रम, प्रार्थना अभ्यास, सूर्यनमस्कार मंत्र, भोजन मंत्र का अभ्यास, शाखा की वार्षिक आयोजन बैठक कैसे हो यह सिखाया गया। परिणामत: शाखा में सम्पर्क पद्धति नियमित बनी, उपस्थिति बढ़ी और गुणवत्ता भी बढ़ी है।

विदर्भ – नागपुर महानगर महाविद्यालय विद्यार्थी विभाग के अंतर्गत इंजीनियरिंग इंडिया और लक्ष्य फोरम के तत्वावधान में नागपुर के महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं के लिये 'परम् वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम्' इस विषय वस्तु को लेकर 'अभ्युदय' कार्यक्रम का आयोजन 8 फरवरी 2026 को हुआ। पूर्व-तैयारी के अंतर्गत 1 फरवरी 2026 को आई. आई. आई. टी. नागपुर परिसर में हैकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें 650 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभाग लिया। 8 फरवरी को 12 विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 30 से अधिक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभाग लिया। Space Tech: The New War Frontier Responsible - AI From Chaos to Consciousness: Can Ancient Indian Values Guide Modern Life जैसे विषयों पर विचार मंथन हुआ। संत ज्ञानेश्वर महाराज, श्री गुरु तेग बहादुर जी (हिंद की चादर), भगवान बिरसा मुंडा, सरदार वल्लभभाई पटेल संबधित प्रदर्शनी रखी गई थी। इस महोत्सव में 450 गटनायकों के संपर्क द्वारा नागपुर एवं विदर्भ के 3800 से अधिक छात्र सहभागी हुए।

मालवा – उज्जैन महानगर में सभी बस्तिओं में बाल शाखाओं के विस्तार हेतु प्रत्येक नगर में योजना बनी, विस्तार हेतु कार्यकर्ता चयनित हुए, नए स्थानों पर प्रारम्भ हुई शाखाओं पर प्रवास एवं शाखा लगाने वाले कार्यकर्ताओं का साप्ताहिक प्रशिक्षण वर्ग आदि प्रयास हुए। शाखा विस्तार हेतु अल्पकालीन विस्तारक योजना के निमित्त एक माह के लिए 57 अल्पकालीन विस्तारक भी निकले। विजयादशमी 2025 तक सभी 65 बस्तिओं में बाल शाखा प्रारम्भ हुई। शाखाएं नियमित एवं व्यवस्थित लगे इस दृष्टि से सभी नगरों में साप्ताहिक अभ्यास वर्ग, साप्ताहिक शाखा टोली बैठक, शाखा पालकों की मासिक बैठक इत्यादि का आग्रह रखा गया। शाखा टोली सक्षम बने इस निमित्त शाखा टोली संगम कार्यक्रम की योजना बनी। 24-25 जनवरी 2026 को सम्पन्न हुए शाखा टोली संगम में सभी 65 बस्तिओं की 65 शाखा टोली

के 235 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामूहिक शारीरिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में बाल स्वयंसेवकों के अभिभावक भी उपस्थित रहे।

मध्य भारत – महानगरीय क्षेत्र में कार्य विस्तार निमित्त भोपाल एवं ग्वालियर महानगर में बहुमंजिला इमारतों/कैम्पस में कार्य हेतु विशेष प्रयास प्रारम्भ हुए। वार्षिक कार्य योजना बनाई गयी। भोपाल में 36 शाखायुक्त, 18 मिलनयुक्त, और 85 गतिविधि युक्त कैम्पस हैं। मा. सह-सरकार्यवाह मुकुंद जी के साथ सम्पन्न कार्यक्रम में 51 कैम्पस से 211 कार्यकर्ता बंधु-भगिनी उपस्थित रहे। ग्वालियर में 19 शाखायुक्त, 13 मिलनयुक्त एवं 47 गतिविधियुक्त कैम्पस हैं। मा. सह-सरकार्यवाह रामदत्त जी के साथ सम्पन्न संवाद कार्यक्रम में 37 चिह्नित कैम्पस से 204 कार्यकर्ता बंधु-भगिनियां उपस्थित रहे। कैम्पस कार्य के माध्यम से 78 बाल गोकुलम, 9 अध्ययन केंद्र, 13 मासिक कुटुंब मिलन भी चलाये जा रहे हैं।

महाकौशल – जबलपुर विभाग के सभी 21 ईकाईयों में बाल कार्य की वृद्धि हेतु 25 दिसम्बर 2025 को वीर बाल दिवस के अवसर पर बाल संचलनों का आयोजन किया गया। 77 स्कूलों में संपर्क, दायित्ववान कार्यकर्ता के परिवार व पड़ोसियों में रहने वाले बाल विद्यार्थियों की बैठकें, सभी नगरों में एकत्रीकरण, खेल महोत्सव, वन संचार व चंदन के कार्यक्रम हुए। गणवेश विक्रय सप्ताह से 483 नए गणवेश बने। 21 संचलनों में 2099 संख्या रही। सभी संचलन स्थानों पर चार साहिबजादे की प्रदर्शनी लगाई गयी।

चित्तौड़ – अजयमेरु विभाग द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस पर यानी 24-26 जनवरी 2026 को महानगर के आजाद मैदान में 'स्वर शताब्दी' घोष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य वादकों के कौशल में गुणात्मक सुधार करना और उनमें स्व-बोध का जागरण करना था। पाठ्यक्रम, अर्हता इत्यादि तय कर ढाई माह पूर्व से सघन तैयारी की गयी। शिविर के मात्र डेढ़ दिन के अल्प समय में 60 वादकों ने 12 घंटे संचलन, वाद्य समता और व्यूह रचनाओं (प्रतिभ्रम, चंद्राकार, बाण) का कड़ा अभ्यास कर 26 को प्रगट कार्यक्रम में 45 मिनट तक 30 विभिन्न रचनाओं का अनवरत वादन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में CRPF के डिप्टी कमांडर श्री राजेंद्र जी उपस्थित रहे। विभाग के 20 प्रतिष्ठित संगीतज्ञों सहित लगभग 500 प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के पूर्व 21 जनवरी को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में CRPF एवं राजस्थान पुलिस बैंड के साथ संघ के 30 घोष वादकों ने जुगलबंदी में सहभाग लिया ।

चित्तौड़ – बारां नगर में स्वयंसवेकों के गुणवत्ता विकास हेतु 21 दिसंबर 2025 को 'बाल शाखा कार्य संगम' का आयोजन किया गया। शाखा पालक तय हुए और पूर्व तैयारी हेतु 26 बैठकें आयोजित की गई, जिनमें शाखा टोलियों की निरंतरता और आदर्श व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न शारीरिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं के आयोजन से गुणवत्ता बढ़ाने का प्रयास हुआ और उनको मिले अंकों के आधार पर 'उत्तम' और 'अति उत्तम' शाखाओं का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। संगम में नगर की सभी 18 शाखाओं से कुल 503 स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

जोधपुर – प्रांत में घोष वादकों की वृद्धि एवं गुणवत्ता विकास के विशेष प्रयत्न वर्षभर चलते रहे। वर्तमान में 241 घोष केंद्र हैं। 15 -17 अगस्त 2025 को जिलाश: घोष वर्ग आयोजित हुए। 2263 वादकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।1500 नवीन वादक तैयार हुए। विजयादशमी 2025 में आयोजित 1563 पथ संचलनों में 7526 घोष वादक सहभागी हुए। सात दिवसीय अंशकालिक विस्तारक योजना में 144 केंद्रों पर 263 घोष विस्तारक गए। प्रांत के सभी 21 जिलों के घोष वर्ग जनवरी 2026 में संपन्न हुए जिसमें 1017 घोष वादकों की सहभागिता रही ।

हरियाणा – हिसार और भिवानी विभाग विद्यार्थी कार्य के विस्तार और दृढ़ीकरण की दृष्टि से शाखाओं के मुख्य शिक्षक पर्यन्त कार्यकर्ताओं की बैठक भिवानी नगर में सम्पन्न हुई। शाखा विस्तार, शाखा टोली निर्माण, शाखा टोली बैठक नियमितीकरण और शाखा निरीक्षण आदि चरणों को पूर्ण करते हुए 103 शाखाओं से 230 मुख्य शिक्षक, शाखा कार्यवाह और प्रवासी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी शाखाओं ने अपना शाखा कार्यवाही रजिस्टर (पंजिका) साथ लाया था, जिनका मा. सरकार्यवाह जी द्वारा अवलोकन भी किया गया। मा. सरकार्यवाह द्वारा कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

जम्मू कश्मीर – 29 जनवरी 2026 को कठुआ नगर में 16 से 35 वर्ष आयु के तरुण स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण विद्यार्थी कार्य विभाग द्वारा आयोजित हुआ। 278 स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही। 30 जनवरी को जम्मू महानगर के दो नगरों के एकत्रीकरण में 155 संख्या रही। दोनों स्थान पर सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने संगठित समाज और चरित्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की भारतीय परंपरा, परिवार व्यवस्था आदि विषयों पर प्रकाश डाला।

शाखा टोली एकत्रीकरण - हरिगढ़, ब्रज

ब्रज - हरिगढ़ महानगर में शाखा टोली के दृढ़ीकरण हेतु महानगर संगठन श्रेणी ने शाखा टोली के विकास एवं शाखा में गुणवत्ता वृद्धि हो सके इस निमित्त शाखा टोली के एकत्रीकरण की योजना की । योजना के पहले चरण में मुख्य शिक्षक, कार्यवाहों के लिए 13 सूर्य नमस्कार मंत्र सहित करना, 100 खेल स्मरण करना, प्रार्थना कंठस्थ करना, पूज्य डॉ. साहब की जीवनी का अध्ययन करना जैसे अष्ट बिन्दुओं का आग्रह किया गया। दूसरे चरण में भाग स्तर पर एकत्रीकरण में शारीरिक अभ्यास एवं शाखा स्तर पर सामाजिक अध्ययन, प्रत्येक परिवार में संपर्क, वार्षिकोत्सव, उपस्थिति को बढ़ाने जैसे कुछ करणीय बिन्दु का आग्रह किया गया। महानगर के शाखा टोली एकत्रीकरण में 210 शाखाओं से 597 कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

अवध - लखनऊ विभाग के अपार्टमेंट कार्य विभाग द्वारा अपार्टमेंट्स की सूची तैयार करना, बड़े एवं महत्वपूर्ण अपार्टमेंट्स तक विशेष संपर्क बनाना तथा परिवारों की सामाजिक संरचना की जानकारी एकत्र करने का कार्य किया। नगर स्तर पर कार्यकर्ताओं की टोली बनाकर नियमित मिलन आयोजित किए जा रहे हैं। वर्षभर भारत माता पूजन, देवदर्शन, होली मिलन, योग दिवस, एवं विभिन्न सेवा कार्यों जैसे कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। विभाग में 817 अपार्मेंट्स की सूची बनी है जिनमें से 315 सम्पर्कित हैं। 42 अपार्टमेन्ट में कन्या पूजन, 5 में संघ परिचय वर्ग, 29 में सहभोज एवं 93 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम संपन्न हुए । 19 शाखा, 17 साप्ताहिक मिलन चलते हैं एवं 61 अपार्टमेन्ट में नियमित बैठक, 52 में सुन्दर काण्ड एवं 55 में हनुमान चालीसा का पठन नियमित होता है।

अवध - लखनऊ के पूर्व भाग के बाल कार्य विभाग द्वारा बाल शिविर, मटकी फोड़ कार्यक्रम एवं बाल पथ संचलन जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाल शिविर के अंतर्गत 14 नगरों में आयोजन की योजना बनाई गई, जिनमें से 5 नगरों में शिविर सम्पन्न हुए जिसमें 29 शाखाओं के 240 स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। शिविरों में शारीरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक सत्रों के साथ प्रतियोगिताएँ और रात्रि प्रतिभा प्रदर्शन आयोजित किए गए। मटकी फोड़ कार्यक्रम सभी 14 नगरों में संपन्न हुआ। 460 स्वयंसेवक सहभागी हुए। बाल पथ संचलन में सभी 14 नगरों से 275 रही ।

झारखंड - राँची महानगर के गुरु गोविन्द सिंह संयुक्त विद्यार्थी शाखा ने पूर्ण उत्साह के साथ इस वर्ष भी अपना वार्षिकोत्सव 14 जनवरी 2026 को संपन्न किया। शारीरिक विषयों के साथ घोष अभ्यास पर विशेष ध्यान दिया गया। शाखा टोली ने गटशः संपर्क, प्रत्येक स्वयंसेवक से घर पर जा कर मिलने की योजना और वार्षिकोत्सव के समय सारिणी और व्यवस्था संबंधित सभी बातों पर बैठकों में चर्चा की। वार्षिकोत्सव में नियुद्ध, दंड एवं घोष का प्रात्यक्षिक हुआ। पथ संचलन भी निकाला गया। 140 स्वयंसेवक उपस्थित थे। 10 नए घोष वादक तैयार हुए ।

ओडिशा पश्चिम - बालीशंकरा खंड के लूलुकिडीही शाखा में 30 दिसम्बर 2025 को 12 घंटे के अखंड सूर्य नमस्कार यज्ञ का आयोजन किया गया। प्रातः 6.30 बजे 104 स्वयंसेवक एकत्रित हुए एवं हवन, हनुमान चालीसा पाठ, 31 फुट ऊँचाई ध्वज के आरोहण के पश्चात 4 संख्या के 26 गट बनाएं गए। एक गट 15 मिनिट तक सूर्य नमस्कार करने के बाद दूसरा गट प्रारम्भ करता था। कुल 14,594 सूर्य नमस्कार किए गए। 5 खंड, एक नगर, 16 पंचायत, 6 बस्ती एवं 30 गांव से 179 स्वयंसेवक एवं 250 पुरुष, 600 महिला ऐसी कुल 1029 प्रेक्षकों की उपस्थिति रही। अन्त में भारत माता आरती, हवन की पूर्णाहुति, बौद्धिक, संघ प्रार्थना के बाद ध्वज अवतरण किया गया।

दक्षिण तमिलनाडु – तेनकासी जिले के काशी विश्वनाथ मंदिर में महाभिषेक को हरित बनाने के लिए स्थानीय लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर बैठक की गयी। बैठक में एकल उपयोग पॉलीथिन निषेध, रथ मार्गों पर कचरा पात्र रखने तथा कपड़े के थैले वितरित करने का निर्णय लिया गया।

आंध्र प्रदेश – तिरुपति नगर की 'वेंकट कृपा' व्यवसायी शाखा द्वारा बस्ती में पर्यावरण संरक्षण का विशेष उपक्रम चलाया गया। सितंबर में 25 स्वयंसेवकों ने प्रत्येक सप्ताह 10 मिनट तक जल संरक्षण, बिजली बचत तथा प्लास्टिक कचरे से 'ईको ब्रिक्स' बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की और अपने घरों में आए परिवर्तनों को साझा किया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने पांच समूह बनाकर नवंबर में 500 घरों का संपर्क किया तथा प्लास्टिक प्रतिबंध और स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने का अभियान चलाया। बस्ती में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण हुआ। जनवरी माह में 200 स्टील की थालियाँ, ग्लास और कटोरियाँ एकत्र कर 25-25 वस्तुओं के सेट बनाकर आठ स्वयंसेवकों के घरों में 'स्टील बैंक' स्थापित किया गया।

कोकण – पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के प्रयत्न से हरित संकल्पना को जन-जन तक पहुँचाने हेतु 'माय ग्रीन सोसायटी' संस्था तथा 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' के संयुक्त तत्वाधान में ''हरित संवाद संगोष्ठी'' का दि. 31 जनवरी 2026 को मुम्बई में आयोजन किया गया। इसमें कॉर्पोरेट कम्पनीज़, शिक्षण संस्थान, स्वयंसेवी संगठन तथा हाऊसिंग सोसायटीज आदि 90 सामाजिक संस्थाओं के लगभग 190 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

पश्चिम महाराष्ट्र – 26 जनवरी को प्रांत में 'कपड़े के थैले' अभियान चलाया गया। थैलों का उपयोग बढाने के लिए पर्चे बांटना और प्रदर्शनी लगाना जैसे कार्यक्रम किए गए। अभियान में 16 जिलों में कुल विविध प्रकार के 112 कार्यक्रम हुए। 13,918 लोगों की सहभागिता रही। 93 स्थानों पर प्रदर्शनी लगी एवं 5019 पत्रक बांटे गए। 17 स्थानों पर पुरानी साड़ियों को इकट्ठा करके कपड़े के थैले बनाए गए। 4800 थैले वितरित किए गए।

पश्चिम महाराष्ट्र – पुणे महानगर के सिंहगढ़ भाग में आषाढ़ शुक्ल 11, दिनांक 6 जुलाई 2025 को 'पॉलिथीन मुक्त मंदिर क्षेत्र अभियान' के अंतर्गत पर्यावरण अनुकूल आषाढ़ी एकादशी कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचीन श्री क्षेत्र विट्ठलवाड़ी मंदिर परिसर में आषाढ़ी एकादशी पर पॉलीथीन एवं थर्मोकोल कचरे की समस्या उत्पन्न न हो इसलिए पिछले तीन वर्षों से कागज के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने की निरंतर पहल की जा रही है। मंदिर न्यास, पुणे नगर निगम, पुलिस विभाग एवं स्वयंसेवकों के समन्वय से योजना बनाई गई। विभिन्न विद्यालयों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों के सहयोग से लगभग 11,000 से अधिक पेपर बैग तैयार कर वितरित किए गए। एकादशी के दिन सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक स्वयंसेवकों ने फूल विक्रेताओं और श्रद्धालुओं को नि:शुल्क कागज के थैले प्रदान किए।

गुजरात – वापी शहर में कुल 35 सेवा बस्तियाँ हैं। व्यवसायी शाखा के स्वयंसेवक सेवा बस्तियों में, विशेषकर गुरुवार, सेवादिवस को संपर्क करते रहते हैं। बाल संस्कार केंद्र, स्वच्छता कर्मचारियों के साथ हनुमान चालीसा केंद्र, नशामुक्ति के लिए प्रयास, मकर संक्रांति के दिन पतंगोस्तव, गुरुपूर्णिमा को गुरुपूजन, 15 अगस्त और 26 जनवरी को भारतमाता पूजन, शुभ दिवसों पर सहभोज, दुर्गा पूजा में मातारानी की आरती इत्यादि उपक्रम किए गए। परिणामत: संस्कार केंद्र की दो बालिकाओं ने राज्यस्तर पर चित्रलेखन और खो-खो प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया।

सौराष्ट्र – छत्रपति शिवाजी व्यवसायी शाखा द्वारा जूनागढ़ जिले के माणावदर तालुका के खांभला ग्राम में नागरिकों के सहयोग से वृक्षारोपण कर 'मधुवन प्लांटेशन' का निर्माण किया है। नागरिकों द्वारा रु 15 लाख का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। 10 जनवरी 2024 को भूमिपूजन किए गए इस प्लांटेशन के 30 बीघा जमीन पर 132 भारतीय मूल के कुल 6500 पौधों का रोपण किया गया। प्लांटेशन में बोरवेल, बिजली और ड्रिप इरीगेशन इत्यादि की व्यवस्था की गयी है। इस परियोजना से प्रेरित होकर 9 अन्य गावों में वृक्षारोपण कार्य शुरू हुआ है। समिति द्वारा साइकिल वितरण, ई-बाइक, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उपक्रम भी किये जा रहे हैं।

सौराष्ट्र – राजकोट महानगर और गोंडल जिला ने पू. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में 13 अप्रैल 2025 को एक ही दिन में 170 नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए। इन शिविरों में 337 डॉक्टर्स ने 785 स्वयंसेवकों की सहायता से 9000 मरीजों का इलाज किया।

मालवा – 1) धार जिले के नालछा खंड के सलकनपुर ग्राम की शिवाजी व्यवसायिक शाखा 15 जनजातिये गांवों में अनेक समाज उपयोगी उपक्रम चलाती है। अब तक 7850 जोड़ी चप्पल, ठंड में बच्चों के लिए 7600 टोपे, 700 स्वेटर-इनर और 750 कंबल का वितरण कर चुकी है। जनजाति बच्चों को पढ़ाई से संबंधित सामग्री पहुँचाना, कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने के काम, सब्जियों तथा पोषण आहार की पोटली बनाकर वितरण करना, सिकल सेल एनीमिया के बच्चों की एवं उनके परिवारों की जांच करवाना एवं आवश्यक दवाइयाँ वितरण करने का कार्य हो रहा है। ग्राम में श्मशान घाट की सफाई, पौधारोपण तथा उसके चारों ओर तार फेंसिंग करवा कर बैठने के लिए सीमेंटेड कुर्सियां लगाई गई।

2) कुक्षी के आनंदेश्वर बाल शाखा के स्वयंसेवकों ने चाइनीज मांजे के उपयोग विरुद्ध अभियान चलाया।

3) उज्जैन महानगर की आदिनाथ व्यवसायी शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त बस्ती बनाने के उद्देश्य से बस्ती के लगभग 1500 परिवारों को कपड़े की थैलियों का वितरण किया।

मध्य भारत – प्रांत के अनेक शाखाओं द्वारा समाज उपयोगी उपक्रम किये जाते हैं। लहार जिले के सीगपुरा मण्डल मे व्यसन मुक्ति का अभियान चलाया गया। प्रत्येक ग्राम मे ग्राम सभा आयोजित की गई। अब तक 80 लोग नशा छोड़ चुके हैं। मदनपुरा ग्राम शराब मुक्त हो गया है। शिवपुरी नगर के केशव शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा प्लास्टिक (डिस्पोजल) मुक्त शाखा क्षेत्र अभियान एक वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया। बर्तन बैंक प्रारंभ किया गया। सीहोर जिले के जावर खंड की माधव शाखा ने गोवंश के लिए रात्री विश्राम गृह बनाया है। गाँव हाइवे से लगा है। रात्री में गाय यहाँ बैठी रहती थी और प्राय: दुर्घटना में जखमी या मृत हो जाती थी। गायों के विश्राम गृह से समाज को सीधे जोड़ने के लिए एक घर-एक रोटी का उपक्रम चलाया जाता है। मोहल्ले के लोग घर से रोटी लाकर देते है ।

महाकौशल – प्रान्त के बालाघाट जिले में "श्रीराम बालाजी ग्राम मंगल यात्रा" में पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। इस वर्ष 11 मार्गों के 210 गाँवों के एक लाख से अधिक लोगों तक पहुँची। पचास प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी रही। इस आयोजन में पर्यावरण आधारित झांकियों के अतिरिक्त मिट्टी के बर्तन, जैविक उत्पाद, गो उत्पाद आदि के स्टाल भी लगाये गए।

छत्तीसगढ़ – रायगढ़ विभाग के सेवा विभाग द्वारा नगर की सभी सेवा बस्तियों को सेवा कार्ययुक्त करने की योजना बनाई गई। क्रियान्वयन हेतु जागरण श्रेणी के कार्यकर्ताओं का प्रवास सुनिश्चित किया गया तथा शाखाओं में सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति और प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। बाल संस्कार केन्द्र, सामाजिक संस्कार केन्द्र, किशोरी विकास, विधिक सहायता केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्वावलंबन केन्द्र सम्बंधित प्रशिक्षण हुआ। दि. 1 फरवरी 2026 को संत रविदास जयंती के अवसर पर विभाग की सभी 22 सेवा बस्तियों में सेवा कार्यो का औपचारिक शुभारंभ किया गया। 22 सेवा कार्य प्रारंभ किए गए, जिनमें 5 बाल संस्कार केन्द्र, 4 सामाजिक संस्कार केन्द्र, 2 किशोरी विकास केन्द्र, 1 विधिक सहायता केन्द्र, 6 स्वास्थ्य केन्द्र तथा 4 स्वावलंबन केन्द्र शामिल हैं।

जयपुर – झुंझुनूं जिले का जयसिंहवास ग्राम आपसी भेदभाव से और अनेक कुरीतियों से ग्रस्त था। स्वयंसेवककों के प्रयास से गाँव में 2021 में 'ग्राम विकास समिति' का गठन हुआ। समिति द्वारा एक भव्य मंदिर का निर्माण हुआ जो अब और सामूहिक उत्सवों (होली, खेलकूद, सत्संग) और इन्हीं सामाजिक कार्यक्रमों का केंद्र बन गया है। अब नशा, डीजे और सार्वजनिक जुए जैसी कुरीतियों पर पूर्ण प्रतिबंध है तथा सुरक्षा के लिए पूरे गाँव में CCTV कैमरे और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गयी है। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और गाँव को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए 'बर्तन बैंक' की स्थापना की गयी। एक गौशाला का निर्माण हुआ है। 60 किसान अब जैविक खेती करते हैं और अन्य गाँवों को भी प्रशिक्षित कर रहे हैं। प्रत्येक घर पर सौर ऊर्जा यंत्र लगाने का कार्य चल रहा है ।

जयपुर – प्रांत में नींबू पौधे का वितरण बड़े प्रमाण में किया गया। 400 गाँवों में कुल 52,000 नींबू के पौधों का वितरण और रोपण किया गया। प्रत्येक घर से 25 रुपया शुल्क लेकर 2 पौधे दिए गए। महिलाओं ने नेतृत्व करते हुए पौधों के देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। पौधों की उत्तरजीविता (Survival Rate) अत्यंत उच्च रही है। यह अब आय का एक स्थायी स्रोत भी बना है ।

जोधपुर – मेड़ता जिले में डंपिंग यार्ड बने देराणी तालाब को स्वच्छ बनाने का प्रयास हुआ। तालाब के चारों ओर 25 प्रकार के 4000 औषधि और फलदार वृक्ष तथा पाँच सघन वन भी लगे हुए है। स्थानीय लोगों से सम्पर्क कर 50 महिलाओं तथा 152 बंधुओं की टीम बनाकर साप्ताहिक श्रमदान और साप्ताहिक हरित मिलन आरंभ हुआ। ये तालाब अब जिले का सबसे स्वच्छ और पॉलीथिन मुक्त तालाब बन गया है ।

हरियाणा – जिला मानेसर, खंड भौड़ाकला के बासलाम्बी गाँव के 'गोपाल शाखा' स्वयंसेवकों ने अपने घरों में प्लास्टिक को बोतलों में भरना और उपयोग कम करना जैसी छोटी-छोटी बातें करना प्रारम्भ किया। फिर इस विषय को पूरे समाज तक पहुँचाया, जिससे गाँव की सफाई व पर्यावरण में स्पष्ट सुधार आया। पंचायत ने दुकानदारों के साथ मिलकर गाँव में प्लास्टिक प्रतिबंध लागू किया। 5000 कपड़े के थैले घरों में वितरित किये गए। इसी प्रकार हांसी जिले के नारनौंद नगर में नवंबर 2025 में पर्यावरण विषय पर हलवाइयों, टैंट वालों, व्यापारियों, पार्षदों और सामाजिक संगठनों की बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रमों में सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने पर सहमति बनी। परिणामस्वरूप नगर के बड़े आयोजनों में प्लास्टिक का उपयोग घट गया। देवोत्थान एकादशी के भंडारे में इस बार प्लास्टिक की जगह कागज/गत्ते की थालियाँ प्रयोग हुईं।

जम्मू कश्मीर – डोडा जिला की देसा घाटी की नागनी शाखा द्वारा नशा मुक्ति की दिशा मे प्रयास किया गया। यह घाटी आतंकी घटनाओं से प्रभावित है एवं दुर्गम क्षेत्र है। गांव में शाखा प्रारंभ हुई। शाखा से विद्यार्थियों के साथ साथ समाज जीवन के प्रमुख व प्रबुद्ध जन जुड़ते चले गए। विवाह के अवसर पर बढ़ता नशे का चलन एवं मांसाहार सेवन बढ़ता जा रहा था। कार्यकर्ताओं ने समाज में इसके प्रति

जागरूकता, संवाद के प्रयास प्रारंभ किए। जिन परिवारों में विवाह होता था, ये सब कार्यकर्ता परिवारजनों से संवाद करते थे कि विवाह नशामुक्त हो। इस प्रयास को सफलता मिलने लगी है, साथ ही साथ सामान्य परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हुआ है । अभी तक पच्चीस वैवाहिक कार्यक्रम बिना नशे के करने में कार्यकर्ताओं ने सफलता प्राप्त की है।

ब्रज – करहल खण्ड के ग्राम कवरई की श्री राम शाखा ने शाखा क्षेत्र के अध्ययन में यह जानकारी प्राप्त कर गाँव के निकट से यमुना एक्सप्रेसवे निर्माण होने के कारण से अनेक वृक्षों को काटा गया। स्वयंसेवकों ने योजना से प्रयास करके एक्सप्रेसवे के किनारे वृहद स्तर पर वृक्षारोपण की योजना बनाई। ग्रामीणों के साथ मिलकर नीम की निबोरी एकत्रित भी की एवं क्रय भी की। एक्सप्रेसवे के दोनों ओर देशी खाद मिलाकर बीजारोपण किया तथा बीजारोपण से उत्पन्न पौधों की देखभाल की। वर्तमान में नीम के 20,000 वृक्ष उगाये जा चुके हैं जो उस क्षेत्र में किसी एक ग्राम के द्वारा वृक्षारोपण की सर्वाधिक संख्या है।

कानपुर – हमीरपुर जिले के राठ नगर की नटराज प्रौढ़ व्यवसायी शाखा की सूची में 250 स्वयंसेवक हैं। शाखा द्वारा नियमित रूप से समाजहित के कार्य संचालित किये जा रहे हैं। दाह संस्कार सेवा अंतर्गत 3 फ्रीजर शव पेटिका, पेयजल हेतु वाटर कूलर, शवदाह हेतु लकड़ी एवं कंडों (उपलों) का पूर्व भंडारण, गरीब एवं निर्धन परिवारों को नि:शुल्क लकड़ी एवं कंडे उपलब्ध कराना, श्मशान स्थल की नियमित स्वच्छता जैसे कार्य स्वयंसेवकों द्वारा किये जाते हैं। बस्ती में वंचित एवं निर्धन परिवारों के बच्चों हेतु एक शिक्षा केंद्र संचालित किया जा रहा है। संस्कार, अनुशासन एवं राष्ट्र भाव का जागरण भी किया जाता है।

दक्षिण बंग – कोलकाता महानगर में 'कोलकाता ब्लाइंड स्कूल, बेहाला' में 29 जनवरी 2026 'पर्यावरण पाठशाला' का आयोजन किया गया। प्रकृति और हमारी जिम्मेदारी पर संवाद हुआ। सभी सत्रों में स्पर्श, गंध और ध्वनि आधारित मौखिक संवाद को प्राथमिकता दी गई, जिससे सीखना सहज और रोचक बना। 'वेस्ट सेग्रिगेशन गेम' और 'इंटरैक्टिव क्विज' मुख्य आकर्षण रहे। आंशिक दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने पूर्णत: दृष्टिबाधित साथियों की सहायता की। विद्यार्थियों को कम्पोस्ट, बायोएन्जाइम और इकोब्रिक्स की जानकारी दी गई। समापन पर सभी को रीसाइकल्ड पेपर से बनी पेंसिल वितरित की गईं। 89 छात्रों की उपस्थिति रही ।

मध्य बंग – विगत तीन वर्षों से दक्षिण बाँकुड़ा जिले के सारेंगा और रायपुर खंड में 13 शिशु संस्कार केंद्र और 1 पाठदान केंद्र चल रहे है। गांव के मातृशक्ति नि:स्वार्थ भाव से अपने-अपने गाँव में शिशुओं का शिक्षा व संस्कार का उपक्रम चलाते हैं। 4 फरवरी, 2026 को वार्षिक उत्सव का आयोजित किया गया था। बच्चों द्वारा गीत, आसन, खेल, नृत्य तथा वंदे मातरम् के 150वें वर्षगांठ निमित्त नृत्य प्रदर्शित किया गया। 82 अभिभावक तथा 37 अतिथि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

उत्तर बंग – कूचबिहार जिले की तोरसा, कालजानी और मानसाई नदियों के किनारों पर जैव विविधता विकसित करने का प्रयास हुआ। नदियों के किनारों को पॉलीथिन मुक्त करने तथा हरित वन पट्टी विकसित करने हेतु 13,500 स्थानीय वृक्ष तथा पाँच सघन वन लगाये तथा जन मानस के मन में पर्यावरण के प्रति जुड़ाव हेतु वृक्ष पूजन परम्परा आरंभ की गयी। पेड़ों की देखभाल हेतु 'ट्री एम्बुलेंस' की व्यवस्था की गयी ।

सौराष्ट्र – कच्छ विभाग गौ-सेवा गतिविधि द्वारा 16, 17, 18 जून, 2025 को गौ-सेवा संगम का आयोजन किया गया। 3 गौ-सेवा रथ के माध्यम से 318 गाँव में संपर्क कर निमंत्रण दिया गया। सेवा संगम मे 6 प्रमुख विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। गौ-सेवा के 18 आयामों में कार्य कर रहे व्यक्तियों का सम्मान किया गया। संगम में नंदी पूजन एवं गौ यज्ञ का आयोजन भी हुआ। 12000 उपस्थिति रही। 380 कार्यकर्ता और प्रबंधक सेवारत रहे।

मध्य भारत – अवधपुरी भोपाल मे स्थित श्री विद्यासागर प्रबंधकीय संस्थान, विद्याप्रमाण गुरुकुलम् में कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम भावनायोग प्रवर्तक मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। महानगर के 680 दायित्ववान कार्यकर्ताओं के 1530 परिवार सदस्य सहभागी हुए। मुनिश्री ने पंच परिवर्तन का विषय विस्तार से रखा।

छतीसगढ़ – 5-6 जुलाई 2025 को धमतरी में 118 प्रतिभागियों द्वारा 80 कि. मी. की दो दिवसीय 'प्रकृति वंदन साईकिल यात्रा' पुराणों के श्लोक व पर्यावरण पूरक संदेश लेकर आयोजित की गई। इस अवधि मैं 115 पौधों का रोपण, 1010 सीड बॉल तथा 2610 बीजों का वितरण भी किया गया। 2,227 लोगों से संपर्क कर प्लास्टिक त्याग, कपड़े के थैले का उपयोग और हरित जीवनशैली अपनाने का संकल्प भी दिलाया गया।

जोधपुर – ग्राम विकास कार्य को गति देने के लिए 1247 ग्रामों का चयन किया गया। इसमें से 663 ग्रामों में समितियों का निर्माण हो गया है। वर्तमान में प्रांत में 302 किरण ग्राम, 33 उदय ग्राम व 9 प्रभात ग्राम है। जैविक कृषि बढ़ाने के लिए श्रीगंगानगर में 48 ग्रामों में प्रशिक्षण वर्ग हुए। 2100 किसान सहभागी हुए। परिणामस्वरूप 1350 किसानों का जैविक कृषि के प्रति रुझान बढ़ा और 300 किसानों ने जैविक कृषि प्रारंभ कर दी है ।

प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम

केरल दक्षिण – राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में प्रान्त में 10, 11 और 12 जनवरी 2026 को मंडल स्तर पर युवा सांघिकों का आयोजन किया गया। 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को संगठित किया गया। प्रत्येक सांघिक में शारीरिक गतिविधियाँ एवं खेल, बौद्धिक सत्र एवं सांघिक वन्दे मातरम गायन हुआ। 99 खंडों में 339 सांघिक आयोजित किए गए। 6,171 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 3,195 विद्यार्थी तरुण स्वयंसेवक तथा 2,976 व्यवसायी तरुण स्वयंसेवक शामिल थे। इनमें से 216 प्रथम बार सहभागी हुए थे। सामूहिक वंदे मातरम् गान में अतिरिक्त 3,471 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

केरल दक्षिण – 11 जनवरी 2026 कोच्चि महानगर द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस तथा स्वतंत्रता सेनानी चेम्पिल अरयन की वीराहुति (शहादत) स्मृति का आयोजन किया गया। 13 जनवरी 1809 को उन्होंने ब्रिटिश सेना से युद्ध करते हुए भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विस्मृत ऐतिहासिक योद्धा को युवा पीढ़ी से परिचित कराना तथा उनकी 285वीं वीराहुति वर्षगांठ का स्मरण करना था। 314 युवाओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर एक जल-शोभायात्रा आयोजित की गई। अनेक नौकाओं को बाँधकर एक बेड़ा तैयार किया गया। उस पर 46 स्वयंसेवकों ने घोष का वादन किया। कलरिपयट्टु का प्रदर्शन हुआ तथा सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान किया गया।

कर्नाटक दक्षिण – प्रांत में 18 से 25 वर्ष के आयुगट के लिए 16 से 23 नवंर के बीच 'नवोन्मेष' कार्यक्रम 48 स्थानों पर संपन्न हुए। इसमें युवकों को संघ के बारे में जानकारी दी गयी और 'हम क्या कर सकते हैं' इस विषय पर चर्चा हुई। दीपोत्सव, कबड्डी स्पर्धा, बाईक रैली जैसे 17 प्रकार के उपक्रमों के माध्यम से तरुणों से संपर्क किया गया। 13 स्थानों पर 'जॉइन आर.एस.एस.' अभियान एवं 2,815 नुक्कड़ बैठकें हुई। कार्यक्रम के दौरान भारत की महानता पर प्रदर्शनी लगाई गयी। अनेक स्थानों पर रानी अबक्का पर विडिओ दिखाया गया, मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान एवं प्रश्न मंजूषा के कार्यक्रम भी हुए। 8,799 विद्यार्थी एवं 3,973 तरुण व्यवसायी इन कार्यक्रमों में सहभागी हुए।

तेलंगाना – श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के अवसर पर 14 दिसंबर 2025 को हैदराबाद में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 9वें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के तेजस्वी जीवन और बलिदान गाथा को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में ऑल गुरुद्वारा कमेटी, तेलंगाना के अध्यक्ष गुरुचरण सिंह बग्गा जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित 2000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। सिख शहीदों की बलिदानी गाथाओं की एक प्रेरणादायी प्रदर्शनी कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई। जोशीला 'खड्ग प्रदर्शन' भी प्रस्तुत किया गया तथा अंत में 'लंगर' का आयोजन हुआ।

तेलंगाना – प्रांत में 'गो. विज्ञान परीक्षा' को व्यापक स्तर पर आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता ग्राम/बस्ती स्तर, जिला स्तर तथा अंतिम चरण में राज्य स्तर पर आयोजित की गयी। राज्य स्तरीय अंतिम दौर में विजेताओं को 1 लाख, 50 हजार, 25 हजार एवं 10 हजार रुपये के नगद पुरस्कार के साथ सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। परीक्षा हेतु 5 लाख पुस्तकें मुद्रित की गईं, जिनमें से 4,80,000 पुस्तकें 35 जिलों के 1255 गाँवों, 1580 विद्यालयों, 110 महाविद्यालयों, 2 विश्वविद्यालयों तथा भजन मंडलियों, गणेश मंडपों, महिला स्वयं सहायता समूहों सहित अनेक स्थानों पर 10 रुपये लेकर वितरित की गईं। 4,11,890 लोगों ने 1942 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्यक्ष रूप से परीक्षा दी। अंतिम चरण की परीक्षा हैदराबाद में आयोजित हुई, जिसमें राज्यभर से चयनित 2,248 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के भव्य समापन समारोह में 4000 से अधिक महिलाएँ, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी तथा श्री बंडी संजय कुमार ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

पश्चिम महाराष्ट्र – दि. 2 जनवरी 1940 में पूजनीय डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी कराड की भवानी सायम शाखा में आये थे। इस अवसर को मनाने के लिए इस वर्ष प्रांत के 12 जिलों में 'बंधुता परिषद्' का आयोजन किया गया। 2736 बंधुओं ने सहभाग लिया।

देवगिरी – 'हिंद दी चादर' गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के निमित्त व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया, जिसके तहत 6,761 गाँवों और नगरों की 1,130 बस्तियों तक पहुँच बनाई गई। कुल 4,381 कार्यकर्ताओं ने सक्रिय योगदान दिया और 890 बस्तियों एवं 4,461 गाँवों में रथ यात्रा का आयोजन कर समाज के 52 विभिन्न घटकों से संपर्क साधा। कार्यक्रम के प्रचार हेतु 246 स्कूलों में लघु फिल्म दिखाई गई और 37 पूर्णकालिक कार्यकर्ता इस कार्य में जुटे रहे।

देवगिरी – प्रांत की सामाजिक परिस्थितियों और जनजातीय व भटके-विमुक्त समाज में व्याप्त वैचारिक संघर्ष को ध्यान में रखते हुए, जिला स्तर पर विशेष 'चेतना परिषदों' का आयोजन किया गया। इन बैठकों में जनजातीय समाज के डॉक्टर, वकील और शिक्षकों सहित 11 विभिन्न समाजों के 1693 गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिन्हें पद्मश्री श्री चैतराम जी पवार का अनुभव सुनने को मिला। इसी क्रम में बीड, लातूर और धाराशिव जिलों के 38 समाजों से 230 प्रतिनिधियों हेतु 'भटके विमुक्त चेतना परिषद' आयोजित की गई, जिसमें माननीय भय्याजी जोशी का मार्गदर्शन मिला। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य

समाज की प्रथाओं और परंपराओं को संरक्षित करते हुए वैचारिक भ्रम को दूर करना था।

मालवा – मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में 29 नवम्बर 2025 को प्रान्त में निवासरत प्रमुख जनजातियाँ – जैसे भील, भिलाला, पटेलिया, बारेला, गोंड, कोरकू, सहेरिया, वेगा, भारिया, उरांव के सामाजिक एवं धार्मिक नेतृत्वकर्ता बन्धुओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रों में संघ तथा विविध संगठनों द्वारा चल रहे सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वावलंबन के प्रकल्पों तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। सभी जिलों के समाज प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे विशेष कार्यों व अनुभवों का विवरण प्रस्तुत किया। झाबुआ जिले के परिस्थिति पर विशेष चर्चा हुई। मा. सरकार्यवाह जी ने देशभर में चल रहे संगठनात्मक एवं सामाजिक कार्यों का विस्तृत परिचय रखा एवं स्वयंसवेकों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी साझा की।

मध्य भारत – भोपाल में 3 दिवसीय मातृभाषा समारोह सम्पन्न हुआ। विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ ही भगवान बिरसा मुंडा, वन्देमातरम, श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाट्य मंचन एवं संघ शताब्दी वर्ष निमित्त संगीतमय प्रस्तुति भी दी गयी। समापन के अवसर पर अ.भा.कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश जी सोनी का पाथेय भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की थीम पंच परिवर्तन थी। संघ विकास यात्रा प्रदर्शनी, मातृ भाषा मे हस्ताक्षर, संकल्प पत्र, आदि का समावेश था। कार्यक्रम मे 8000 विद्यार्थियों ने विविध प्रतियोगिताओं मे भाग लिया। आयोजन मे लगभग 1 लाख से अधिक समाज बंधु-भगिनियों ने सहभाग किया ।

मध्य भारत – संघ शताब्दी वर्ष तथा वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'स्वर शतकम्' संगीत कार्यक्रम का आयोजन ग्वालियर में किया गया। महानगर के 18 विद्यालयों एवं 12 महाविद्यालयों के 30 दलों के लगभग 600 प्रतिभागियों ने समूहगान प्रतियोगिता में भाग लिया। 6 विजेता दलों ने कार्यक्रम में प्रस्तुति दी। इस अवसर पर युवा कलाकारों द्वारा वाद्यवृंद तथा वंदे मातरम् पर आधारित भरतनाट्यम की आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में 1680 गण्यमान्य श्रोताओं की उपस्थिति रही। सह सरकार्यवाह श्रीमान रामदत्तजी चक्रधर का प्रबोधन प्राप्त हुआ।

जयपुर – मालवीय भाग के महाविद्यालयीन कार्य टोली द्वारा अगस्त 2025 में 'बतलावण' नामक एक मासिक शोधार्थ संवाद कार्यक्रम आरम्भ किया है । शोधार्थियों को भारतीयता के विचार से जोड़ना तथा शोध भारत केन्द्रित हो और अध्यापन, अध्ययन में 'स्व' का विचार हो यह इसका उद्देश्य है। राजस्थान विश्वविद्यालय, MNIT जयपुर और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर में इसका आयोजन होता है। हर माह बतलावण टोली द्वारा दिए गए एक विषय पर चुने हुए विद्यार्थी शोध पत्र तैयार करते हैं। उसमे से 3-4 चुने हुए शोध पत्रों का वाचन, विषय पर संवाद और तत्पश्चात टोली सामूहिक शोध पत्र तैयार कराती है। तीनों विश्वविद्यालयों में शोध टोली तैयार हुई। इस उपक्रम में 143 शोधार्थी जुड़े हैं।

दिल्ली – अप्रैल मास में प्रान्त की प्राध्यापक कार्य टोली (जिसमें संघ दायित्वधारी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख भी है) ने दिल्ली के अलग-अलग शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से संपर्क करने का क्रम चलाया । 60 से अधिक कुलपति, डायरेक्टर, प्राचार्य एवं रजिस्ट्रार आदि से संपर्क किया गया । उन्हें 'भविष्य का भारत' नामक पुस्तक भेंट स्वरूप दी गई। अक्टूबर नवंबर 2025 में प्राध्यापक कार्य आयाम के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में 24 बौद्धिक एवं वैचारिक गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिनमें लगभग 833 प्राध्यापकों की सहभागिता रही।

दिल्ली – प्रांत के घोष विभाग द्वारा संघ शताब्दी निमित्त 21-22 फरवरी 2026 को अयोध्या धाम में 'श्रीरामार्चनम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरयू वंदन से हुआ। वहां से संचलन करते हुए लता मंगेशकर चौक पर स्थिर वादन कर बलिदानी कारसेवकों को श्रद्धांजली अर्पित की गयी। विभिन्न स्थलों पर स्थिर वादन करते हुए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में प्रदक्षिणा, स्थिर घोष वादन और संघ प्रार्थना संपन्न हुई। विश्व हिन्दू परिषद् के उपाध्यक्ष चम्पतराय जी ने मंदिर निर्माण की जानकारी दी, तथा पूज्य गोविन्द देव गिरी जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। 13 से 65 वर्ष आयु के 108 वादकों ने 39 रचनाओं का 108 बार वादन कर 108 माला श्री रामलला को अर्पित की।

हरियाणा – 'वन्दे मातरम्' गीत की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरियाणा प्रान्त के बौद्धिक विभाग द्वारा शाखा-केंद्रित 'वन्दे मातरम् पखवाड़ा' 1-15 जनवरी 2026 को मनाया गया। 599 शाखाओं में कुल 4839 स्वयंसेवकों ने नियमित वन्दे मातरम् गीत का अभ्यास किया। 287 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गीत गीत कंठस्थ किया। 403 शाखाओं पर वन्दे मातरम् विषय पर बौद्धिक अथवा चर्चा के कार्यक्रम हुए एवं 80 शाखाओं में इसका लिखित अभ्यास भी सम्पन्न हुआ।

हरियाणा – 'हिन्द की चादर' गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहादत वर्ष के अवसर पर इस विषय को अधिकाधिक स्वयंसेवकों तक और नई पीढ़ी तक ले जाने हेतु 'शहीदी स्मरण सप्ताह' 4-11 नवम्बर 2025 को मनाया गया। 633 शाखाओं में 7296 स्वयंसेवकों के बीच बड़ी कहानी के रूप में यह विषय पहुंचाया गया। कुछ शाखाओं द्वारा अपने

शाखा क्षेत्र के 308 शिक्षण संस्थानों में 1,04,803 छात्र/छात्राओं/स्टाफ सदस्यों के समक्ष यह विषय रखा गया। विषय रखने वाले कुल 266 कार्यकर्ताओं में से 24 सिख बंधु भी थे।

पंजाब – जालंधर में महाविद्यालयीन छात्र कार्य की टोली ने 'भगत सिंह विवेकानंद विचार मंच' द्वारा शेड्यूल कास्ट एकता एम्पावरमेंट फोरम एवं महर्षि कपिल मुनि शक्ति महापीठ के सहयोग से श्री गुरु रविदास महाराज जी प्रकाश वर्ष निमित्त 25 जनवरी 2026 को श्री गुरु रविदास महाराज गुरुद्वारा साहिब, संतोखपुरा में 'अनुभूति' कार्यक्रम का आयोजन किया । इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव और आत्मीय संपर्क को सुदृढ़ करना था।

पंजाब – 25 नवम्बर 2025 को 'जन चेतना' संगठन के माध्यम से बठिण्डा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित एक भव्य सेमिनार मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अंश वंश, माई देसां, मुख्य सेवादार, पातशाही दसवीं के संत बाबा जसबीर सिंह जी प्रमुख अतिथि के नाते विराजमान थे। मुख्य अतिथि हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. हरमोहिंदर सिंह बेदी जी थे। 1067 लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें 651 सिख बन्धु, 60 महिलाएं तथा 356 अन्य नागरिक सम्मिलित थे। यह सेमिनार गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान, भारतीय सांस्कृतिक, एकात्मता तथा धार्मिक स्वतंत्रता के मूल्यों को पुन: जागृत करने का एक प्रयास रहा।

हिमाचल – श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान वर्ष के उपलक्ष्य में प्रांत में 363 शाखाओं में कार्यक्रम किये गए। 5 जिलों में 6 संगोष्ठी संपन्न हुई जिनमे 2450 प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुए संगोष्ठी में सह-सरकार्यवाह आदरणीय डॉ. कृष्ण गोपाल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

उत्तराखंड – प्रांत में पंच परिवर्तन का विषय सर्वत्र पहुंचे इस दृष्टि से जागरण श्रेणी के द्वारा कुल 11 सरकारी जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों के सम्मेलन और प्रशिक्षण वर्ग हुए। दो सत्रों में पंच परिवर्तन और आंतरिक सुरक्षा, स्वरोजगार के छोटे-छोटे कामों को लेकर चर्चा हुई एवं आगे के लिए कार्य तय हुए। गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाना, जल एवं पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। यह सभी विषय नियमित रूप से आगे बढ़े, इसके लिए कार्य योजना बनाई गई। 947 ग्राम प्रधान, 621 क्षेत्र पंचायत सदस्य, 135 जिला पंचायत सदस्य एवं 673 सदस्य शामिल रहे । कुल 2376 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मेरठ – पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा 20 फरवरी 2026 को मेरठ में 'खिलाड़ी संवाद कार्यक्रम' प. पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। ब्रज और मेरठ प्रांत के 1453 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों की सूची संपर्क विभाग की क्रीड़ा श्रेणी एवं क्रीड़ा भारती के कार्यकर्ताओं ने मिलकर बनाई एवं निमंत्रण दिया गया। 963 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे, जिनमें 812 खिलाड़ी और 151 प्रशिक्षक । 80 खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त थे। 90 खिलाड़ियों द्वारा पूछे गए 14 प्रकार के प्रश्नों के उत्तर प. पू. सरसंघचालक जी ने दिए। प्रमुख रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार, ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी अनु रानी सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

ब्रज – संघ यात्रा के 100 वर्ष एवं श्री गुरुतेग बहादुर जी के 350 वें बलिदान दिवस के अवसर पर पर सिक्ख बन्धुओं से वार्तालाप का कार्यक्रम सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी की उपस्थिति में 13 दिसम्बर 2025 को बरेली में संपन्न हुआ। पीलीभीत एवं बरेली जिले के प्रभावी सिक्ख बंधुओं की 400 की सूची 25 गटनायकों द्वारा बनायी गयी एवं दोनों जिलों के 10 गुरुद्वारों के ग्रंथी भी निमंत्रित किये गए। गुरु पुत्रों का बलिदान, श्री गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान से सम्बंधित एवं शताब्दी वर्ष की प्रदर्शनी लगी। 250 बन्धु उपस्थित रहे। उद्बोधन के पश्चात् प्रश्नोत्तर के कार्यक्रम में प्रश्नों का आ. कृष्ण गोपाल जी ने समाधान किया।

काशी – प्रांत में सामूहिक वंदे मातरम् गायन के और गोष्ठियों के नवम्बर एवं दिसंबर में कार्यक्रम हुए। मातृशक्ति की भी अच्छी भागीदारी थी। सुल्तानपुर में सामूहिक वन्दे मातरम् गान पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। मुख्य अथिति के रूप में आईपीएस (IPS) बृजेश मिश्रा जी, विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव उपाध्याय जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश खन्ना जी ने की। 17 स्कूलों से 5673 विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रयाग में 2 कार्यक्रम हुए । कुल 6050 संख्या रही। काशी के हिंदू विश्वविद्यालय में छात्रावास के विद्यार्थियों द्वारा एक सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम हुआ जिसमें 400 संख्या रही।

अखिल भारतीय बैठकें

प्रांत प्रचारक बैठक – प्रान्त प्रचारक बैठक दिनांक 4, 5, 6 जुलाई 2025 को दिल्ली के नवनिर्मित परिसर केशवकुंज (झंडेवाला) में संपन्न हुई। बैठक में संघ शिक्षा वर्ग, कार्यकर्ता विकास वर्गों की समीक्षा, कार्यविस्तार, प्रशिक्षण, शताब्दी वर्ष निमित्त आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रवास योजना इत्यादि की चर्चा हुई।

समन्वय बैठक – अ.भा. समन्वय बैठक दिनांक 5, 6, 7 सितंबर 2025 को जोधपुर में आयोजित हुई। बैठक में समाज जीवन के विविध संगठनों की अ.भा. टोली के कार्यकर्ता अपेक्षित थे। विविध संगठनों के बीते वर्ष के उल्लेखनीय कार्यक्रम, पंच परिवर्तन, विमर्श, देश के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों की परिस्थिति आदि विषयों की समीक्षा, आगामी दिशा तथा समन्वय पर चर्चा की गई।

कार्यकारी मंडल बैठक – अ.भा. कार्यकारी मंडल बैठक दिनांक 30 – 31 अक्टूबर, 1 नवंबर 2025 को जबलपुर (महाकौशल प्रांत) में संपन्न हुई। शताब्दी वर्ष प्रारंभ में आयोजित विजयदशमी उत्सव की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की चर्चा, कार्य विस्तार, प्रवास आदि विषयों पर मंथन किया गया। इसी अवसर पर सरकार्यवाह ने ये तीन वक्तव्य जारी किए।

1) धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का स्मरण करने,
2) राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्षगांठ को मनाने के लिए, और
3) सिख परंपरा के 9वें गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहादत के 350वे बर्ष को सम्मान के साथ याद करने के लिए आग्रह किया गया।

वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य

विशेष वृत्त : विश्व संघ शिविर

इसी शताब्दी वर्ष में, विदेशों में रहने वाले संघ स्वयंसेवकों के प्रयास से विश्व संघ शिविर भी संपन्न हुआ। भाग्यनगर (तेलंगाना) के कान्हा शांतिवनम् के विशाल परिसर में 2025 दिसंबर 25 से 28 तक आयोजित इस शिविर में विश्व के 71 देशों से 1026 बंधु, 585 भगिनी ऐसे कुल 1611 स्वयंसेवक और परिवार जन भाग लिये। "धर्मे सर्व प्रतिष्ठितम्" यह शिविर का ध्येय वाक्य था। दिसंबर 25 को उद्घाटन कार्यक्रम में पूज्य संत गोविंद देव गिरि जी का उद्बोधन हुआ। विविध सत्रों में भारत के बाहर के देशों में हिंदू समाज के संगठन के प्रयास, हिंदू विचार एवं संस्कृति का प्रचार व प्रबोधन, परिवारों में अपने जीवन मूल्यों का पालन, युवाओं में कार्य आदि विषयों पर चर्चा, संघ की यात्रा, संत एवं लोक साहित्य में धर्म ऐसे विषयों पर बौद्धिक की योजना बनी थी। दिसंबर 28 को संपन्न समापन समारोह में पू. सरसंघचालक जी का उद्बोधन हुआ। श्री रामचंद्र मिशन के प्रमुख पू. दाजी पटेल का मार्गदर्शन एवं कोरोना के वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक के अध्यक्ष डा. कृष्ण एल्ला का प्रमुख अतिथि के रूप में संबोधन हुए।

प्रतिनिधियों का कहना था कि सभी के उत्साह, एक दूसरे से मिलने का आनंद, दूर देश में रहने पर भी परस्पर आत्मीयता का भाव- इनके कारण शिविर अविस्मरणीय बन गया। संघ शताब्दी वर्ष में मातृभूमि पर आकर उन्हें अपार आनंद और प्रेरणा मिली।

विगत एक वर्ष के अपने कार्य के वृत्त को देखने के बाद वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य पर भी हम एक नजर डालें।

पिछले दिनों देश के कई स्थानों पर हिंदू जागरण तथा धर्म श्रद्धा जागरण के विविध प्रकार के उदाहरण भी सामने आए हैं। इस वर्ष देश के अन्यान्य भागों में हुए कई स्थानीय आयोजन उक्त जागरण के एक आयाम को इंगित करते हैं।

केरल के मलप्पुरम जिले की भारतपुझा नदी के तट पर तनुवाय स्थान में पिछले पौष-माघ मास के 15 दिनों वहाँ की नदी में पुण्य स्नान व नील आरती के महामाघ महोत्सवम का भव्य आयोजन हुआ। 250 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद तीन साल पूर्व पुन:प्रारंभ हुआ। इस उत्सव ने इस बार विशाल आध्यात्मिक-धार्मिक कार्यक्रम का रूप ले लिया। प्राचीन परंपरा से जुड़ी इस महोत्सव में प्रतिदिन श्रद्धालुओं का जनप्रवाह महापूर जैसे वहाँ पहुँचा। इस आयोजन में पर्यावरण संबंधी सावधानी रख कर एक अच्छे उदाहरण को भी प्रस्तुत किया गया। केरल की सेवा भारती, हिन्दू ऐक्य वेदी जैसे संगठनों की सहभागिता से सभी कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुए। केरल के समाज में इसका व्यापक प्रभाव और उत्साह का वातावरण बना।

दक्षिण तमिलनाडु के तिरुपरनकुंद्रम के पहाड़ पर स्थित पत्थर के प्राचीन खंबे पर कार्तिक दीपम जलाने की अनेक वर्षों की परंपरा पर वहाँ की राज्य सरकार ने सांप्रदायिक तनाव के बहाना बना कर निषेध लगाया था। इसके विरुद्ध जनाक्रोश प्रकट हुआ। इस मामले में उच्च न्यायालय ने 'समाज की धार्मिक आस्था को राजनीतिक या सांप्रदायिक कारण के आड़ में रोक नहीं सकते' यह कह कर श्रद्धालुओं के पक्ष में निर्णय देने से दीपम जलाने के लिए अनुमति मिली। तमिलनाडु में इस प्रकरण से हिंदू समाज में एकता और आत्म विश्वास की जागृति हुई।

पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के जनजाति समुदाय स्वयं की पहचान सनातनी परंपरा के साथ होने पर गर्व करता है। राज्य में लगभग 30-35 वर्षों के लंबे समय तक चले उग्रवाद व वामपंथी प्रभाव के कारण सनातनी परंपरा की पूजा-पद्धतियों, उत्सवों पर एक प्रकार का अघोषित प्रतिबंध था। लेकन समाज के हृदय में सनातन सांस्कृतिक भाव कभी समाप्त नहीं हुआ था। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जगन्नाथ यात्रा के समय देखने को मिला। वहाँ के चट्टाग्राम पर्वत श्रृंखला से सटा हुआ कारबुक विकासखंड जनजाति बहुल है। वहाँ पिछली जन्माष्टमी के दिन अभूतपूर्व रथयात्रा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। 8 स्थानों पर रथयात्राओं का आयोजन हुआ। कुल 25000 जनसंख्या में से 8000 लोग एकत्रित हुए। इतनी बड़ी संख्या में जनता उत्साह से उत्सव पालन करना समाज में हिंदू संस्कृति के बढ़ते आवेग को दर्शाता है।

ऐसे ही देश के कई मंदिरों में नववर्ष आरंभ या अन्य अवसरों पर आने वाले युवा भक्तों की संख्या पिछले वर्षों में बढ़ती गयी है।

राष्ट्र गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इस अमर गीत को गाने के अनेक आकर्षक कार्यक्रमों के द्वारा जनता ने राष्ट्र भक्ति को अभिव्यक्त किया।

सिख परंपरा के नवम गुरु श्री तेग बहादुर जे के 350वें शहीदी पर्व पर गुरु के प्रति श्रद्धांजली देने के अनेक प्रेरणादायी समारोह संपन्न हुए। विशेष उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के नागपुर, नांदेड़ और नवी मुंबई के खारघर में श्री गुरु के शहीदी पर्व निमित्त बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया था जिनमें विशाल संख्या में लोग सहभागी हुए। इन कार्यक्रमों में दमदमी टकसाल के पू. बाबा हरनाम सिंह, हुजूर साहिब नांदेड़ के बाबा कुलवंत सिंह सहित भारत के मा. गृहमंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस, बाबा

रामदेवजी एवं अनेक गणमान्य महानुभाव और बंजारा और लबाना समाज के अनेक संत उपस्थित रहे। लगभग 20,000 गाँवों से लोग आये थे।

निस्संदेह, इन सभी कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सहभागी होने वालों के अंदर राष्ट्र भक्ति तथा सांस्कृतिक जागरण की लहर उत्पन्न हुई।

एक ओर इस प्रकार राष्ट्र बोध, सांस्कृतिक जागृति, धार्मिक श्रद्धा एवं ईश्वर भक्ति बढ़ रही है तो दूसरी ओर समाज के सामने की कई चुनौतियाँ भी लोगों की चिंता बढ़ा रही है। इस वर्ष संपन्न हुए प्रमुख सामाजिक सद्भाव बैठकों में तथा प्रमुख नागरिकों से हुए संवाद में आये महानुभावों ने हिंदुत्व के प्रकाश में राष्ट्रीय पुनर्जागरण का सहर्ष स्वागत करते हुए कुछ समस्याओं की चर्चा की। उनमें प्रमुख रूप से देश के विविध भागों में हो रहे मतांतरण, जनसंख्या असंतुलन, महिलाओं की असुरक्षा, युवाओं में नशा की लत आदि का उल्लेख हुआ। साथ ही कृत्रिम मेधा समेत नये तंत्रज्ञान और आधुनिक जीवन शैली एवं हिंदू जीवन मूल्यों में संतुलन कैसे लाना, मंदिरों के नियंत्रण व संचालन सरकार के बजाय भक्तों से हो, नई शिक्षा नीति के सही और शीघ्र क्रियान्वयन हो, भारतीय भाषाओं का संरक्षण-संवर्धन ऐसे विषयों को भी उठाया गया। यह समाज जागृति का ही संकेत है। यह आवश्यक है कि केवल विषयों के बारे में पूछना या चिंता करना ही नहीं, बल्कि उन के निराकरण के लिए भी सक्रिय होना चाहिए।

कई बार किसी बहाने या घटना की वजह से समाज की एकता और सौहार्द बिगड़ जाता है, जिससे निजी भावनाएं भड़क जाती हैं। लंबे समय में इसका समाज को नुकसान होता है। इसलिए यह जरूरी और समझदारी भरा कदम है कि हम समाज की एकता और सामंजस्य के लिए कृतसंकल्पित रहें।

देश व पड़ोस में :

इसी बीच देश के भीतर व पड़ोस में कुछ वांछनीय बातें भी हुई हैं। अनेक वर्षों से एक बड़ी समस्या रही भयंकर हिंसात्मक माओवादी या नकसलवादी ताकतों को लगभग समाप्ति जैसे नियंत्रण करने में शासन ने पर्याप्त सफलता पाई है। इस समस्या से बाधित क्षेत्रों में सामाजिक शांति, जन विकास, सुरक्षित जीवन जैसे कामों को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रयास प्रारंभ हुआ है यह स्वागत योग्य है।

मणिपुर राज्य में पिछले दो वर्षों में दुर्भाग्य से दो समुदायों के मध्य कटुता व वैमनस्य की स्थिति हिंसात्मक हो कर एक चुनौती बन गई और उसका राजनीतिक परिणाम भी हुआ। परिस्थिति में कुछ सुधार होने पर अब वहाँ नये नेतृत्व में नूतन सरकार बनी है। हम आशा करते हैं कि वहाँ शीघ्र ही जनजीवन सामान्य होकर समाज के सभी वर्ग परस्पर सामंजस्य से एकता का अनुभव करे तथा सभी के संयुक्त प्रयास से राज्य का विकास हो। संघ सदैव इसी के लिए शुभकामना देते हुए उस दिशा में प्रयत्नशील भी रहता है।

अपने पड़ोस के बँगलादेश में सामाजिक और राजनीतिक अशांति एवं अस्थिरता की परिस्थिति में हिंदू समुदाय पर हिंसात्मक आक्रमण हुआ। हिन्दुओं को व्यापक प्रमाण में जान व माल की हानि हुई। हाल ही में वहाँ निर्वाचन हो कर नवीन सरकार सत्तारूढ़ हुई है। नूतन शासनकर्ताओं से हमारा आग्रह है कि वहीं के ही नागरिक हिंदुओं के साथ हुए अमानवीय अन्याय का परिमार्जन कर, वे शांति, सुरक्षा एवं सम्मान के जीवन जीने के लिए आवश्यक परिस्थिति का निर्माण करे तथा उनके मानवाधिकार की रक्षा को सुनिश्चित करे।

अपने दूसरे पड़ोसी देश नेपाल में भी सामाजिक व राजनीतिक उथल पुथल के बाद वहाँ अभी अभी नई सरकार का निर्वाचन हुआ। वहाँ की परिस्थिति में शांति व स्थिरता स्थापित हो कर देश विकास के पथ पर अग्रसर हो यही हम कामना करते हैं। इन दोनों देशों में शांति व स्थिरता एवं उनका भारत के साथ सुमधुर संबंध इस पूरे क्षेत्र के विकास व सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

विजय की ओर :

पहले जैसे कहा कि समाज में राष्ट्र बोध, हिन्दुत्व का जागरण और सामाजिक संवेदना बढ़ रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में सज्जन शक्ति समाज के विभिन्न सकारात्मक कार्यों में अपनी सक्रियता को भी दर्शाती है।

अधिकाधिक लोग संघ कार्य से जुड़ने की उत्सुकता दिखा रहे हैं। समाज के सभी अच्छे कार्य के लिए तथा समस्याओं के निराकरण के लिए संघ से अपेक्षा हो रही है।

हम जानते हैं कि उत्सुक शक्ति, सज्जन शक्ति जितनी बढ़ती है उससे अधिक नित्यसिद्ध शक्ति भी बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। समाज से मिल रही प्रशंसा और अनुकूलता के कारण हमें संघ कार्य को गति देने और अधिक गुणात्मक बनाने की योजना करनी चाहिए। शताब्दी वर्ष में संघ को प्राप्त हुए समर्थन व संपर्क का योग्य उपयोग करते हुए आगामी वर्ष के अनुवर्तन कार्यों को हमें रूप देना चाहिए। इस दृष्टि से आने वाला समय हमारे लिए अवसर भी है, चुनौती भी है। राष्ट्र धर्म को निर्वाह करने एवं समाज की अपेक्षा को पूर्ति करने के लिए हम स्वयंसेवकत्व, संघ संस्कृति और ताने बाने को सुदृढ़ रखते हुए इस कार्य में आगे बढ़ेंगे और पूर्ण विजयी होंगे ऐसी आशा है।

पूर्ण विजय संकल्प हमारा अनथक अविरत साधना
निशि दिन प्रति पल चलती आयी राष्ट्रधर्म आराधना
वन्दे मातृभूमि वन्दे, वन्दे जग जननी वन्दे।

Photo Gallery

विविध कार्यक्रम, उपक्रम

मातृशक्ति संवाद कार्यक्रम - मध्य भारत

अपार्टमेंट कार्य - अवध

प्रकृति वंदन सायकल यात्रा - छत्तीसगढ़

मीडिया प्रभावी जन संगोष्ठी - शिमला, हिमाचल

आदरांजली कार्यक्रम - मालवा

विश्व संघ शिविर समारोप समारोह - 28.12.2025 - कान्हा शान्ति वनम - भाग्यनगर

बाएँ से - श्री दत्तात्रेय होसबाले, शिविराधिकारी श्री बनवारी लाल पुरोहित (पूर्व राज्यपाल)

प. पू. सरसंघचालक श्री मोहन भागवत, पूज्य दाजी पटेल (श्री रामचन्द्र मिशन), डॉ. कृष्णा (बायोटेक)

पीछे की पंक्ति में विश्व के विविध देशों के मा. संघचालक

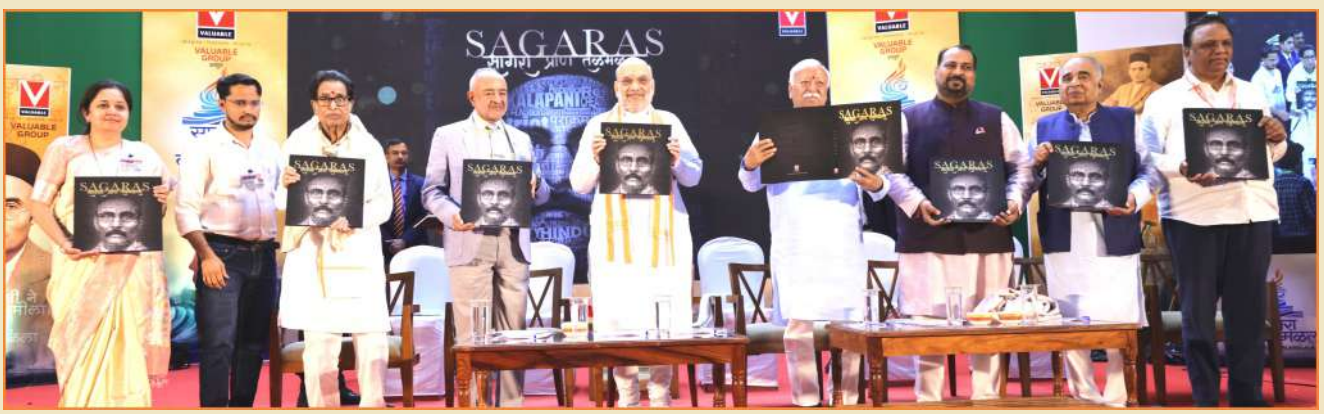

पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में वैल्यूएबल ग्रुप द्वारा आयोजित "सागरा प्राण तळमळला" कार्यक्रम में

पू. पू. संघचालक जी, श्री अमित शाह जी, उपराज्यपाल एडमिरल श्री डी. के. जोशी, श्री हृदयानाथ मंगेशकर

एवं अन्य मान्यवर

अयोध्या में दिल्ली प्रांत के
स्वयंसेवकों द्वारा घोष प्रदर्शन

चितौड़ प्रांत घोष प्रदर्शन

मध्य भारत - एकत्रीकरण

अवध प्रान्त - लखनऊ विभाग - कौमुदी संचलन

प्रकाशक :
समीर क्षीरसागर
प्रधान कार्यालय सचिव
डॉ. हेडगेवाल भवन,
महाल, नागपुर 440 032
दूरभाष : (0712) 2723003
E-mail : sachivalay@sanghngp.org
www.rss.org

प्रतिवेदन 2025-26
Prativedan 2025-26

(केवल नि:शुल्क वितरण हेतु)

13 मार्च 2026 के पूर्व प्रकाशित न करें।